■ वैशाख शुक्ल - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 284 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 13-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस के अंदर औरंगजेब की आत्मा दाखिल हो गई है : योगी आदित्यनाथ

6 चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

7 12 घंटे तक गंदे पानी में लेटी रहीं मनीषा कोइराला

## फर्स्ट टेक

### अहमदाबाद हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

**अहमदाबाद/भाषा।** अहमदाबाद हवाईअड्डे को रविवार को ई–मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली। सुरक्षा कर्मियों ने हवाईअड्डा परिसर की तलाशी ली जिसके बाद यह अफवाह साबित हुयी। इस दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस आयुक्त जी एस मलिक ने कहा कि धमकी भरा ईमेल दोपहर में सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजा गया था, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने पूरे हवाई अड्डे को खंगाला। मलिक ने कहा, ''धमकी अफवाह निकली क्योंकि कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।''

### उत्तरपूर्व यूक्रेन में रूस के हमले के बाद हजारों नागरिक क्षेत्र छोड़कर चले गए

**विलचा/एपी।** उत्तरपूर्व यूक्रेन में रूस के नए जमीनी हमले के बाद हजारों नागरिक क्षेत्र छोड़कर चले गए हैं। रूस ने कस्बों और गांवों को तोपों और मोर्टार से निशाना बनाया है। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। लड़ाई बढ़ने के साथ यूक्रेन की कम से कम एक इकाई को खार्किव क्षेत्र में पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे रूस की सेना को सीमा से लगे एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल हो गया है। खार्किव क्षेत्रीय पुलिस के प्रमुख व्लोदिमीर तिमोशको ने कहा कि रविवार दोपहर तक 17,000 की आबादी वाला वोवचांस्क शहर लड़ाई में केंद्र बिंदु के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि रूसी सेना शहर के बाहरी इलाके तक पहुंच गई और तीन दिशाओं से आगे बढ़ रही थी। तिमोशको ने कहा कि शहर की ओर आने वाली एक प्रमुख सड़क पर एक रूसी टैंक देखा गया, जो भारी हथियार तैनात करने के रूस की योजना का संकेत देता है।

### मेक्सिको-ग्वाटेमाला सीमा पर आया 6.4 तीव्रता का भूकंप

**तापचूला/एपी।** मेक्सिको और ग्वाटेमाला की सीमा पर रविवार तड़के भूकंप का जबरदस्त झटका महसूस किया गया, जिससे लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आये। मेक्सिको के सीमावर्ती शहर सुचियाटे के निकट सुबह लगभग छह बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है, लेकिन सीमा के निकट पहाड़ी और दूरदराज के हिस्सों में भूस्खलन का खतरा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.4 थी और भूकंप का केंद्र जमीन से 47 मील की (75 किलोमीटर) गहराई में स्थित था।

### धन शोधन मामला : ईडी ने झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को पूछताछ के लिए तलब किया

**रांची/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री एवं कांग्रेस नेता आलमगीर आलम को धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए 14 मई को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने पिछले सप्ताह आलम के निजी सचिव संजीव लाल (52) और उनके घरेलू सहायक जहांगीर आलम (42) को उनसे जुड़े एक फ्लैट से 32 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि 70 वर्षीय आलम को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को रांची में ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। धन शोधन मामले की जांच राज्य ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं और ''भ्रष्टाचार'' से संबंधित है। इस मामले में ईडी ने लगभग 36.75 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है, क्योंकि एजेंसी ने पिछले मंगलवार को एक ठेकेदार के परिसर से 1.5 करोड़ रुपये के अलावा लाल के ठिकाने से 10.05 लाख रुपये सहित अन्य स्थानों से लगभग तीन करोड़ रुपये जब्त किए थे।

# चौथे चरण में लोक सभा की 96 सीटों पर आज होगा मतदान

## आंध्र प्रदेश, ओडिशा वि.स. की 203 सीटों पर भी आज होगा मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** चुनाव आयोग ने कहा है कि लोक सभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 96 संसदीय सीटों पर सुचारु रूप से मतदान कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

इस चरण में आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधान सभा के चुनावों के लिए भी मतदान कराए जा रहे हैं। कई क्षेत्रों में मतदान सामग्री और मतदान कराने वाली टीमों को हवाई मार्ग से भेजा गया है। मतदान आज सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक कराया जाएगा। तेलंगाना में 17 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ विधान सभा सीटों के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का

समय शाम सात बजे तक बढ़ाया गया है।

आयोग की रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 10 राज्य/केंद्र–शासित प्रदेशों की कुल 96 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 17.7 करोड़ मतदाता 1.92 लाख मतदान केंद्रों पर वोट डाल कर 1717 उम्मीदवारों के के भाग्य का निर्णय कर सकेंगे। इनमें 8.97 करोड़ पुरुष तथा 8.73 करोड़ महिला मतदाता हैं। इस चरण में आंध्र प्रदेश की 175 विधान सभा सीटों और ओडिशा की 28 विधान सभा सीटों पर भी मतदान कराया जा रहा है।

आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सोमवार को मतदान के दिन लू चलने का कोई पूर्वानुमान नहीं है और दिन का तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस तक नीचे या ऊपर रहने का अनुमान है। फिर भी गर्मी में मतदाताओं की सुविधा के लिए मतादन केंद्रों पर शामियाने की छांव, पीने के पानी और पंखों आदि के प्रबंध किए गए हैं।

चौथे चरण में आंध्र प्रदेश की सभी 25, तेलंगाना की 17, उत्तर प्रदेश की 13, महाराष्ट्र की 11, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की आठ–आठ, बिहार की पांच, ओडिशा तथा झारखंड की चार–चार और केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर एक सीट पर वोट डाले जाएंगे। इस चरण के चुनाव में मोदी सरकार के पांच बड़े मंत्रियों, एक पूर्व मुख्यमंत्री, दो क्रिकेटर और एक अभिनेता समेत कई दिग्गज राजनेताओं की किस्मत तय होगी।

# जब तक मोदी है, कोई भी सीएए को रद्द नहीं कर सकता : मोदी

## संदेशखालि में प्रताड़ित महिलाओं को धमका रहे टीएमसी के 'गुंडे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बैरकपुर/हुगली (पश्चिम बंगाल)/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर 'वोट बैंक' की राजनीति का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के 'गुंडे' दोषियों को बचाने के लिए संदेशखालि की प्रताड़ित महिलाओं को धमकी दे रहे हैं।

संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप सामने आने के बाद पिछले कुछ समय से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जोरों पर है।

मोदी ने उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर और फिर हुगली में एक के बाद एक चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासन में राज्य में हिंदू दोयम दर्जे के नागरिक बन गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, ''जब तक मोदी है, कोई भी सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) को रद्द नहीं कर सकता।'' राहुल गांधी का नाम लिये बिना उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को देशभर में अपने 'शहजादे' की उम्र से भी कम सीट मिलेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 53 साल के हैं।

बैरकपुर की रैली में उन्होंने कहा, ''हम सभी ने देखा है कि तृणमूल कांग्रेस ने संदेशखालि की बहनों और माताओं के साथ क्या किया। टीएमसी के गुंडे अब संदेशखालि में महिलाओं को धमकी दे रहे हैं, क्योंकि मुख्य अपराधी का नाम शाहजहां शेख है। टीएमसी संदेशखालि के दोषियों को कानूनी कार्रवाई से बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। टीएमसी से डरना नहीं है।'' हुगली में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''टीएमसी संदेशखालि में हर हथकंडा अपना रही है, लेकिन संदेशखालि के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।''

उनकी टिप्पणी सोशल मीडिया पर सामने आए कई कथित वीडियो की पृष्ठभूमि में आई, जिनमें दावा किया गया है कि भाजपा के एक स्थानीय नेता ने संदेशखालि की कई महिलाओं से सादे कागजों पर हस्ताक्षर करवाए जिन्हें बाद में टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतों के रूप में पेश किया गया।

# पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे वापस लेंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कौशांबी (यूपी)/एजेन्सी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला की पाकिस्तान को लेकर की गयी टिप्पणी के लिए उन पर निशाना साधा और कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का हिस्सा है और इसे वापस लेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार विनोद सोनकर के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और भारतीय गठबंधन के नेता फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान का सम्मान करने के लिए कह रहे हैं क्योंकि उसके पास परमाणु बम है। हम

क्यों करें पाकिस्तान का सम्मान। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी कह रहे हैं कि पीओके मत मांगो। राहुल बाबा, अगर आपको परमाणु बम से डरना है तो डरो रहो। हम डरने वाले नहीं हैं, पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे।

शाह ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे कहते हैं कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के लोगों को कश्मीर से क्या लेना–देना है। शायद उन्हें नहीं पता कि कौशांबी का हर बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि 70 साल तक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कश्मीर में धारा 370 को अपने बच्चों की तरह रखा। आपने मोदी जी को दूसरे कार्यकाल के लिए पीएम बनाया। 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया, आतंकवाद को खत्म किया गया और मोदी जी ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया।

गृह मंत्री ने कहा कि दो शहजादे हैं, अखिलेश और राहुल, जो सत्ता में आने पर अनुच्छेद 370 वापस लाने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा, कौशांबी के लोगों को तय करना चाहिए कि अनुच्छेद 370 वापस आना चाहिए या नहीं? मोदी जी ने देश में आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म किया और उन्होंने देश को सुरक्षित करने का काम किया है।

राम मंदिर का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा, '70 साल तक सपा, बसपा और कांग्रेस के लोगों ने राम मंदिर के मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाले रखा। जब मोदी जी दूसरी बार पीएम बने तो मुकदमा जीत लिया गया। भूमि पूजन किया गया और पांच साल के अंदर 22 जनवरी को जय श्री राम के साथ प्राण–प्रतिष्ठा समारोह संपन्न किया गया।

# अमित शाह ने राहुल गांधी से पांच सवाल पूछे

**रायबरेली (उप्र)/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को रायबरेली संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार राहुल गांधी को घेरते हुए उनके सामने पांच सवाल रखे और इस पर उनसे रायबरेली की जनता को जवाब देने को कहा।

शाह ने रविवार को रायबरेली में राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार व राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा में ये पांच सवाल पूछे।

शाह ने कहा, मोदी जी ने तीन तलाक समाप्त किया तो यह अच्छा किया या बुरा, राहुल बाबा रायबरेली की जनता को यह स्पष्ट करें कि क्या वह तीन तलाक को वापस लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुस्लिम पर्सनल लॉ की जगह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) होनी चाहिए या नहीं? राहुल बाबा कहते हैं कि वे पर्सनल लॉ लाएंगे, रायबरेली को इसका जवाब दें।

सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र करते हुए शाह ने पूछा, राहुल बाबा आप सर्जिकल स्ट्राइक का समर्थन करते या नहीं। इस पर अपना रुख स्पष्ट करें।

अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए मिले निमंत्रण की याद दिलाते हुए शाह ने कांग्रेस नेता से पूछा, आप राम मंदिर का दर्शन करने क्यों नहीं गये, स्पष्ट करें। शाह ने कहा, '' राहुल बाबा को रायबरेली की जनता को बताना चाहिए कि क्या आप अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन करते हैं या नहीं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इन पांच सवालों का जवाब देना चाहिए और इन सवालों के जवाब देने के बाद रायबरेली के लोगों से वोट मांगना चाहिए।

# एसआईटी ने प्रज्ज्वल रेवन्ना मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया

**बेंगलूरु/भाषा।** प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने रविवार को हासन के सांसद से जुड़े कथित अश्लील वीडियो को प्रसारित करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दो व्यक्तियों – चेतन और लिकित गौड़ा को हासन से गिरफ्तार किया गया और वे जिले में भाजपा से कथित तौर पर जुड़े हुए हैं। अधिकारियों ने दोनों के बयान दर्ज किए हैं। कर्नाटक में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के कुछ दिन पहले हासन से भाजपा–जद(एस) के संयुक्त उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो वाले पेन–ड्राइव जिले में प्रसारित किए गए थे।

# इजराइल ने रफह में कार्रवाई तेज की

**रफह/एपी।** इजराइली सेना ने रविवार को गाजा पट्टी में फलस्तीनी उग्रवादियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने के साथ ही युद्ध के दौरान लगभग तबाह हो चुके उत्तर के कुछ हिस्सों में भी कार्रवाई की। हालांकि, सेना ने कहा कि उसने महीनों पहले ही उत्तर के इलाकों को हमास के नियंत्रण से मुक्त करा लिया था, लेकिन सुरक्षा बलों के हटने के बाद समूह एक बार फिर इन इलाकों में एकत्र होने का प्रयास कर रहा है। इजराइल ने दक्षिणी गाजा के रफह शहर को हमास का आखिरी गढ़ करार दिया है। सेना का कहना है कि हमास को समाप्त करने और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए उसे कार्रवाई जारी रखनी होगी। इजराइल द्वारा हालिया दिनों में कार्रवाई तेज करने के आह्वान के बीच 3,00,000 लोगों को क्षेत्र छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

फलस्तीनियों ने बताया कि जबालिया शरणार्थी शिविर और उत्तरी गाजा पट्टी के अन्य क्षेत्रों में इजराइल द्वारा रात भर भारी बमबारी की गई, जिससे व्यापक तबाही हुई है। स्थानीय निवासियों ने कहा कि इजराइली युद्धक विमानों ने शरणार्थी शिविर और गाजा शहर के पूर्व में जिटौन क्षेत्र पर हमला किया, जहां सैनिक एक सप्ताह से अधिक समय से फलस्तीनी उग्रवादियों से लड़ रहे हैं। सेना ने हजारों लोगों से आसपास के इलाकों में स्थानांतरित होने का आह्वान किया है। जबालिया के निवासी अब्दुल करीम ने कहा, ''यह बहुत कठिन रात थी।''

## भारत-चीन सीमा विवाद पर जयशंकर ने कहा:

# द्विपक्षीय संबंधों की बहाली सीमावर्ती क्षेत्र में शांति और सौहार्द पर निर्भर करती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी सैन्य गतिरोध के पांचवें वर्ष में प्रवेश करने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत, चीन के साथ शेष मुद्दों के समाधान की उम्मीद करता है और इस बात पर जोर दिया कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की बहाली सीमावर्ती क्षेत्र में शांति और सौहार्द पर निर्भर करती है। जयशंकर ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए एक

विशेष साक्षात्कार में कहा कि बाकी मुद्दे मुख्य रूप से गश्ती अधिकार और गश्ती क्षमता से संबंधित हैं।

विशेष रूप से यह पूछे जाने पर कि न्यूजवीक पत्रिका को पिछले माह दिये साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में विवाद के समाधान की उम्मीद कब तक की जा सकती है, जयशंकर ने कहा कि उन्होंने (मोदी ने) इस मामले पर केवल एक 'व्यापक' दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि बचे हुए मुद्दों का समाधान हो जाएगा। ये मुद्दे मुख्य रूप से वहां गश्त करने के अधिकार और गश्त करने की क्षमताओं से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, मैं इसे प्रधानमंत्री के साक्षात्कार से नहीं जोड़ूंगा। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री एक बड़ी तस्वीर वाला दृष्टिकोण पेश कर रहे थे और उनका यह दृष्टिकोण बहुत ही उचित था, क्योंकि आखिरकार हर देश अपने पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध चाहता है।''

# यदि अडाणी, अंबानी ने कांग्रेस को पैसे भेजे तो जांच का आदेश दें मोदी : खरगे

**धुले (महाराष्ट्र)/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रविवार को चुनौती दी कि वह केंद्रीय एजेंसी के जरिए इस बात की जांच कराएं कि क्या ''अडाणी और अंबानी'' ने कांग्रेस को टेम्पो में पैसे भेजे थे।

खरगे ने महाराष्ट्र के धुले निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि मोदी ने अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो), ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और आयकर विभाग का इस्तेमाल किया और विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 800 नेताओं को सलाखों के पीछे डाला। उन्होंने कहा, ''वह उन्हीं एजेंसी को इस बात की जांच करने के लिए क्यों नहीं भेजते कि क्या अडाणी और अंबानी ने कांग्रेस को पैसों से भरा टेम्पो भेजा था? अगर इस दावे पर विश्वास किया जाए तो क्या मोदी सो रहे थे जब उन्होंने हमें पैसे भेजे?''

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को एक चुनावी रैली में कांग्रेस पर अंबानी और अडाणी के साथ सौदा करने का आरोप लगाया था और पूछा था कि क्या पार्टी को उन्हें गाली देना बंद करने के लिए दो उद्योगपतियों से काले धन से भरा टेम्पो मिला था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पलटवार करते हुए कहा, ''वह (मोदी) सिर्फ गाली देते हैं और भाग जाते हैं।

# निज्जर हत्या मामले में कनाडा में चौथा भारतीय नागरिक गिरफ्तार

**वाशिंगटन/ओटावा/भाषा।** खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडा के अधिकारियों ने एक और भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ भारत के कनाडा के साथ संबंधों में तनाव की वजह बने इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिकों की संख्या चार हो गई है।

कनाडा के सरे निवासी अमनदीप सिंह (22) पर हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए गए हैं।

निज्जर (45) की 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी।

कनाडाई पुलिस की 'इंटीग्रेटेड होमिसाइड इंवेस्टिगेशन

टीम' (आईएचआईटी) ने बताया कि निज्जर की हत्या में सिंह की भूमिका के लिए उसे 11 मई को गिरफ्तार किया गया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि वह एक अन्य मामले में पील क्षेत्रीय पुलिस की हिरासत में था।

आईएचआईटी के प्रभारी अधिकारी मनदीप मूकर ने कहा, ''यह गिरफ्तारी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भूमिका निभाने वालों को जिम्मेदार ठहराने के लिए जारी हमारी जांच की प्रकृति को दर्शाती है।'' पुलिस ने एक बयान में कहा, ''आईएचआईटी ने सबूत एकत्रित किए और अमनदीप सिंह पर हत्या और हत्या की साजिश के आरोपों के समर्थन में पर्याप्त सूचना प्राप्त की।''

# स्पर्श ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने यलहंका में शुरु किया 250 बेड का अस्पताल

## लगभग 250 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह नया सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के अग्रणी अस्पताल स्पर्श ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने यलहंका में 250 करोड़ रुपए की लागत से अपना नया अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल लॉन्च किया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्वामी श्री जगदगुरु श्री शिवरात्रिदेशीकेन्द्र स्वामीजी के साथ अस्पताल का उदघाटन किया। इस मौके पर अस्पताल के प्रमुख डॉ शरण शिवराज पाटिल, राज्य के मंत्री एमबी पाटील, मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन, मंत्री शरणबसप्पा दर्शनापुर, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर, बसवराज बोम्मई, जस्टिस शिवराज पाटिल, दावणगेरे विधायक डॉ शमनूर शिवशंकरप्पा आदि भी उपस्थित थे।

इस अस्पताल में 50+ सुविधाओं सहित क्रिटिकल केयर बेड, नवजात शिशुओं के लिए 20+ बेड वाला एक समर्पित एनआईसीयू, दो अत्याधुनिक सी लैब और सभी आयु वर्ग के रोगियों की सेवा के लिए 10 उन्नत ऑपरेशन थिएटर शामिल हैं। 40 विशिष्टताओं के साथ, अस्पताल विभिन्न चिकित्सा विषयों में व्यापक और विशिष्ट देखभाल प्रदान करने का प्रयास करता है। न्यूरोसाइंसेज, कार्डिएक साइंसेज, गैस साइंसेज, रीनल साइंसेज, महिला एवं बाल देखभाल, सिर और गर्दन की सर्जरी, ट्रॉमा केयर और इमर्ज मेडिसिन में उत्कृष्टता केंद्र की सुविधा सहित 24/7 आपातकालीन देखभाल की सुविधा भी उपलब्ध है।

उदघाटन के मौकेपर स्पर्श ग्रुप के अध्यक्ष और मुख्य ऑर्थोप सर्जन, डॉ. शरण शिवराज पाटिल ने कहा कि यलहंका में सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का अनावरण, वन-स्टॉप हेल्थकेयर हब बनने के हमारे निरंतर प्रयास का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य स्थिर बना हुआ है।

स्पर्श में हम आस्था, आशा और प्रेम के मूल मूल्यों को कायम रखते हुए चिकित्सा की कला और विज्ञान का अभ्यास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ शरण ने कहा कि यलहंका व उत्तरी बेंगलूरु के निवासियों को इस क्षेत्र में एक अत्यधिक विशिष्ट व्यापक चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता है। अपनी स्थापना के बाद से, स्पर्श ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने हेल्थकार-मेडिकल एजुकेशन के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है।

# महादेवपुरा में भाजपा कार्यकर्ता स्नेह मिलन एवं धन्यवाद सभा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के गुंजूर के एक निजी होटल में भाजपा का लोकसभा चुनाव राहत एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन तथा स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। नरेंद्र मोदी को पुनः देश का प्रधानमंत्री बनाने के लक्ष्य पर पार्टी की ओर से दिन रात काम करने वाले सभी शुभचिंतकों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन हेतु आयोजित कार्यक्रम में सांसद पी.सी.मोहन, पूर्व मंत्री अरविंद लिम्बावली एवं क्षेत्रीय विधायक मंजुला लिम्बावली की उपस्थिति थी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद पी.सी.मोहन ने तमाम कार्यकर्ताओं का सहयोग, समर्थन एवं परिश्रम को लेकर हृदय से धन्यवाद, आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के आधार स्तंभ है। पूर्व मंत्री अरविंद लिम्बावली ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी है। बिना कार्यकर्ताओं की मेहनत कोई जीत संभव हैं। क्षेत्रीय विधायक मंजुला लिम्बावली ने कहा कि आज भारत काम विश्व पटल पर उजागर करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने के लिए देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव संयोजक वेंकटरमनप्पा (पापन्ना), सह संयोजक मुनिकृष्णप्पा, नगर मंडल अध्यक्ष मनोहर रेड्डी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## कश्मीर के मतदाता नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के वर्चस्व को समाप्त कर देंगे : भाजपा

**नई दिल्ली/भाषा।** भाजपा भले ही कश्मीर की तीन लोकसभा सीट में से किसी पर भी चुनाव नहीं लड़ रही हो लेकिन पार्टी को भरोसा है कि घाटी के मतदाता इस चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के वर्चस्व को समाप्त कर देंगे।

श्रीनगर में लोकसभा चुनाव के तहत होने वाले मतदान से एक दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने रविवार को दावा किया कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाये जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के विकास की दिशा में उठाए गए कदमों और क्षेत्र में शांति ने यह सुनिश्चित किया है कि लोग कांग्रेस के साथ ही दोनों क्षेत्रीय दलों जैसी परिवार द्वारा संचालित पार्टियों से भी कहीं आगे की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''ये पार्टियां 90 के दशक में आतंकवाद के दौर से लेकर जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक मची उथल-पुथल के लिए जिम्मेदार हैं।''

## मारुति का 2024-25 में सीएनजी कारों की बिक्री में 30 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य

**नई दिल्ली/भाषा।** मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में उसकी सीएनजी कारों की बिक्री 30 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग छह लाख इकाई पर पहुंच जाएगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में लगभग तीन लाख इकाई निर्यात करने का लक्ष्य भी तय किया है। मारुति सुजुकी इंडिया के कॉरपोरेट मामलों के कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने एक विश्लेषक वार्ता में कहा, ''सीएनजी में इस साल हमने यात्री वाहनों की लगभग 4.5 लाख इकाइयां बनाईं। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा छह लाख वाहनों का होगा।'' कंपनी घरेलू बाजार में वैगनआर, ब्रेजा, डिजायर और अर्टिगा जैसे विभिन्न मॉडलों के सीएनजी संस्करण बेचती है। भारती ने कहा कि कंपनी के हरियाणा स्थित मानेसर संयंत्र में सालाना लगभग एक लाख इकाई के क्षमता विस्तार से काफी हद तक अर्टिगा की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी।

# युवा कामकाजी आबादी की वजह से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है आवास क्षेत्र : अनुज पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार कंपनी एनारॉक ग्रुप का राजस्व बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 36 प्रतिशत बढ़कर 566 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। आवासीय ब्रोकरेज और अन्य सेवाओं से कमाई बढ़ने से कंपनी का राजस्व बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष (2022-23) में कंपनी ने 416 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था। एक अंतरराष्ट्रीय संपत्ति परामर्श कंपनी में 10 साल तक कंट्री प्रमुख के रूप में कार्य करने के बाद अनुज पुरी ने अप्रैल, 2017 में एनारॉक की स्थापना की थी।

एनारॉक के चेयरमैन पुरी ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, ''सभी शहरों में रियल एस्टेट क्षेत्र विशेष रूप से आवास बाजार का अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इस क्षेत्र की बिक्री और नई पेशकश 15 साल के उच्चस्तर पर है।'' उन्होंने कहा कि आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन की वजह यह है कि आज की युवा कामकाजी आबादी किराये के घर में नहीं रहना चाहती। वह खुद का घर खरीदना चाहती है। उन्होंने कहा, ''इस वजह से घरों की बिक्री बढ़ रही है, जिसका हमें लाभ मिला है और हम अपना प्रौद्योगिकी और डिजिटल मंच स्थापित कर पाए हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी के सभी प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों ने पिछले वित्त वर्ष में राजस्व वृद्धि में योगदान दिया। पुरी ने कहा कि कंपनी खुद के विस्तार और अधिग्रहण के जरिये अपनी वृद्धि में निवेश जारी रखेगी। कंपनी चालू वित्त वर्ष में बड़ी संख्या में नई भर्तियां करेगी। विशेषरूप से हाल में पेश पट्टे पर कार्यालय लेने से संबंधित सलाहकार सेवाओं में कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। फिलहाल एनारॉक ग्रुप के कर्मचारियों की संख्या 2,200 है।

# निजी क्षेत्र को जबरदस्त अवसर प्रदान कर रहा है भारतीय अंतरिक्ष उद्योग : सोमनाथ

**कोच्चि/भाषा।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा है कि भारतीय अंतरिक्ष उद्योग देश में निजी क्षेत्र को विकास के एक नए क्षेत्र के तौर पर जबरदस्त अवसर प्रदान कर रहा है।

सोमनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार की परिकल्पना है कि देश में अंतरिक्ष क्षेत्र अगले 5-10 वर्षों में दो अरब डॉलर के मौजूदा स्तर से 9 से 10 अरब डॉलर का उद्योग बन जाएगा। एसएफओ टेक्नोलॉजीज की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि सोमनाथ शनिवार को यहां एक समारोह में एनईएसटी समूह की प्रमुख कंपनी एसएफओ टेक्नोलॉजीज की कार्बन कटौती पहल की शुरुआत करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो द्वारा अपने विभिन्न मिशन के लिए विकसित की गई तकनीक से निजी क्षेत्र की 400 कंपनियों को लाभ हुआ है। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा, भारतीय अंतरिक्ष उद्योग देश में निजी क्षेत्र के लिए विकास के एक नए क्षेत्र के रूप में जबरदस्त अवसर प्रदान कर रहा है।

# अतीत में विनिर्माण क्षेत्र की उपेक्षा ने समस्याएं पैदा कीं, मोदी सरकार दे रही बढ़ावा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत के घरेलू विनिर्माण और समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने से आर्थिक मोर्चे पर चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने और वैश्विक स्तर पर देश के प्रभाव का विस्तार करने के मद्देनजर विदेश नीति और अधिक मजबूत होगी।

जयशंकर ने साक्षात्कार में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पिछले 10 वर्षों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है क्योंकि 2014 से पहले इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई थी और इसने देश के लिए कई समस्याएं पैदा कीं। अतीत में विनिर्माण क्षेत्र पर ध्यान न दिए जाने की वजह से भारत-चीन व्यापार में बढ़ोतरी हुई। विदेश मंत्री ने कहा, ''हमें खुद पर भरोसा करने की जरूरत है। मुझे स्पष्ट है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में प्रतिस्पर्धा है। हमारा चीन जैसा पड़ोसी है और हमें प्रतिस्पर्धा करना सीखना होगा।'' उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब उनसे पूछा गया कि चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार क्यों बढ़ रहा है जबकि नई दिल्ली इस बात पर जोर दे रही है कि सीमा पर स्थिति असामान्य होने पर संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर ने दावा किया कि ऐसा परिदृश्य इसलिए उत्पन्न हुआ है क्योंकि 2014 से पहले विनिर्माण क्षेत्र पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। भारत और चीन की सेनाओं के बीच मई 2020 से गतिरोध जारी है और सीमा विवाद का पूर्ण समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। जयशंकर ने कहा, ''अगर सीमा पर शांति नहीं है तो आप सामान्य संबंध कैसे रख सकते हैं।'' भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार में 2015 से 2022 तक 90.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान औसत वार्षिक वृद्धि 12.87 प्रतिशत है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022 में चीन के साथ कुल व्यापार सालाना आधार पर 8.47 प्रतिशत बढ़कर 136.26 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो लगातार दूसरी बार 100 अरब अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। हालांकि, व्यापार घाटा 101.28 अरब अमेरिकी डॉलर पर आ गया क्योंकि चीन से भारत के आयात में बड़ी वृद्धि हुई।

पिछले कुछ वर्षों में सरकार कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विनिर्माण का विस्तार करने का प्रयास कर रही है। जयशंकर ने कहा, ''हमने वास्तव में अतीत में इस देश में विनिर्माण क्षेत्र की उपेक्षा की है। कई मायनों में हमने अपने निर्माताओं, विशेष रूप से हमारे छोटे और मध्यम उद्यमों को उस तरह का समर्थन नहीं दिया।''

# यदि लोग आम आदमी पार्टी को चुनेंगे, तो मुझे दोबारा जेल नहीं जाना पड़ेगा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि यदि लोग 25 मई को आम आदमी पार्टी (आप) को चुनते हैं, तो उन्हें दोबारा जेल नहीं जाना पड़ेगा। केजरीवाल ने यहां एक रोड शो के दौरान कहा, ''मुझे 20 दिन बाद वापस जेल जाना है। यदि आप झाड़ू ('आप' का चुनाव चिह्न) को चुनते हैं, तो मुझे वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा।''

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ केजरीवाल ने पार्टी के नई दिल्ली लोकसभा सीट से उम्मीदवार सोमनाथ भारती के समर्थन में मोती नगर में एक रोड शो किया। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करना है।

केजरीवाल ने कहा, ''उन्होंने मुझे जेल भेजा, क्योंकि मैंने आपके लिए काम किया। भाजपा नहीं चाहती कि दिल्ली के लोगों का काम हो।'' केजरीवाल ने आरोप लगाया कि तिहाड़ जेल में उन्हें इंसुलिन के टीके 15 दिन तक उपलब्ध नहीं कराये गये। उन्होंने आरोप लगाया, ''यदि मैं वापस जेल गया, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुफ्त बिजली देना बंद कर देगी, स्कूलों को खराब कर देगी और अस्पतालों तथा मोहल्ला क्लीनिक को बंद कर देगी।'' उन्होंने लोगों से भारती के लिए वोट करने को भी कहा, क्योंकि वह विषम परिस्थितियों में भी जरूरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होगा।

## 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने 'केजरीवाल की गारंटी' की घोषणा की

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को 'केजरीवाल की गारंटी' की घोषणा करते हुए केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर भारतीय जमीन को चीनी कब्जे से 'मुक्त' कराने समेत 10 कार्य गिनाए और कहा कि इन्हें युद्ध स्तर पर किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का मुकाबला करने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम समेत कई अन्य दल शामिल हैं। अंतरिम जमानत पर जेल से रिहा होने के एक दिन बाद केजरीवाल ने शनिवार को कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन अगली सरकार बनाएगा और उनकी पार्टी 'आप' इसका हिस्सा होगी। रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि लोगों को 'मोदी की गारंटी' और 'केजरीवाल की गारंटी' के बीच चुनाव करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की गारंटी एक ''ब्रांड'' है। अपनी गारंटी की घोषणा पर 'आप' नेता ने कहा, ''मैंने इसके बारे में अपने 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों से चर्चा नहीं की है। मैं इन गारंटी को पूरा करने के लिए अपने 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों पर दबाव डालूंगा।''

केजरीवाल ने कहा कि 'आप' ने दिल्ली में मुफ्त बिजली, अच्छे स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक की अपनी ''गारंटी'' पूरी की है जबकि ''प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गारंटी पूरी नहीं की है।'' 'केजरीवाल की गारंटी' पर उन्होंने कहा कि चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं तथा हर साल युवाओं के लिए दो करोड़ नौकरियां सृजित करना इसका हिस्सा हैं।

## यमुनोत्री जा रहे तीन तीर्थयात्रियों की हृदयाघात से मौत

**उत्तरकाशी/भाषा।** गढ़वाल हिमालय में दस हजार फुट से अधिक ऊंचाई पर स्थित यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आए तीन श्रद्धालुओं की हृदयाघात के कारण मृत्यु हो गयी। पुलिस ने यहां बताया कि हृदयाघात से मरने वाले तीर्थयात्रियों में से दो मध्य प्रदेश के जबकि एक उत्तर प्रदेश का है। यमुनोत्री धाम की यात्रा अक्षय तृतीया के दिन शुक्रवार को शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि यमुनोत्री धाम के दर्शन करने जा रही मध्य प्रदेश के नीमच की रहने वाली संपत्तिबाई (62) यमुनोत्री के आधार शिविर जानकीचट्टी के निकट बेहोश हो गयीं। उनके साथ मौजूद अन्य तीर्थ यात्रियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक अन्य घटना में, सागर जिले के रामगोपाल (71) और उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले की विमला देवी (69) की भी हृदयाघात से मौत हो गयी।

# केरल में शैलजा और मंजू वारियर पर आरएमपी नेता की टिप्पणी से विवाद खड़ा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोझिकोड (केरल)/भाषा।** केरल में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) में शामिल प्रमुख दल रिवॉल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी (आरएमपी) के एक नेता ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता के. के. शैलजा और मलयाली अभिनेत्री मंजू वारियर के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया।

आरएमपी के नेता केएस हरिहरन ने शनिवार रात यहां वडकारा में एक सभा को संबोधित करते हुए कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसे शुरुआत में राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने संबोधित किया था। यह कार्यक्रम सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के इन आरोपों के जवाब में आयोजित किया गया था कि यूडीएफ कार्यकर्ताओं ने शैलजा का एक आपत्तिजनक वीडियो बनाया जो वडकारा से लोकसभा उम्मीदवार हैं। विवाद खड़ा होने के बाद हरिहरन की पार्टी के शीर्ष नेताओं और यूडीएफ ने खुले तौर पर उनकी आलोचना की तथा कहा कि उन्हें किसी भी महिला के खिलाफ ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। बाद में, हरिहरन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि दोस्तों और पत्रकारों ने उन्हें बताया कि उन्होंने भाषण के दौरान एक अनुचित टिप्पणी की थी।

# मोदी, शाह को तीसरा कार्यकाल मिला तो दलित, आदिवासी फिर से गुलाम बन जाएंगे : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**धुले (महाराष्ट्र)/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को लोगों से पार्टी के लिए वोट करने की अपील करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तीसरे कार्यकाल का मतलब होगा कि गरीबों, दलितों और आदिवासियों के साथ गुलामों की तरह व्यवहार होगा।

खरगे ने महाराष्ट्र के धुले निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं से लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी को चुनने की अपील की। कांग्रेस ने धुले लोकसभा सीट से पूर्व विधायक शोभा बच्चव को मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा, आजादी से पहले गरीबों, दलितों और आदिवासियों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार किया जाता था। यदि आप मोदी और शाह को तीसरा कार्यकाल देंगे तो वही स्थिति दोहराई जाएगी। हम फिर से गुलाम बन जायेंगे।'' उत्तर महाराष्ट्र के धुले में आम चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष भामरे को उम्मीदवार बनाया है। खरगे ने कहा, आपको अपने लिए और अपने लोगों के लिए वोट देना होगा। हमें संविधान बचाना है। यह चुनाव देश के भविष्य को आकार देगा, इसलिए यह एक महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा कि यदि कोई संविधान नहीं होगा, तो आपको बचाने वाला कोई नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस (राष्ट्रीय स्यंसेवक संघ) प्रमुख मोहन भागवत ने 2015 में कहा था कि संविधान को बदला जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि बाद में भाजपा के कई सांसदों और नेताओं ने भी इसी तरह के बयान दिये।

खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर झूठ फैलाने का आरोप भी लगाया। खरगे ने कहा कि मोदी ने सीना ठोक ठोक कर कहा था कि विदेशों से काला धन वापस लाएंगे लेकिन कभी अपना ये वादा पूरा नहीं किया।

# धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं एआई एक्सप्रेस की उड़ानें, चालक दल के सदस्य काम पर लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/नई दिल्ली/भाषा।** एयर इंडिया एक्सप्रेस धीरे-धीरे अपनी उड़ानें बहाल कर रही है और नेटवर्क को स्थिर कर रही है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

दूसरी ओर चालक दल यूनियन ने बताया है कि बीमार होने की सूचना देकर छुट्टी पर गए उनके सभी सदस्य काम पर लौट आए हैं। अधिकारी ने कहा कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने रविवार को कम से कम 20 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं और मंगलवार सुबह तक स्थिति पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है। एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रतिदिन लगभग 380 उड़ानें संचालित करती है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के एक वर्ग की हड़ताल के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं हैं। राष्ट्रीय राजधानी में मुख्य श्रम आयुक्त ने सुलह के लिए एक बैठक बुलाई, जिसके बाद बृहस्पतिवार को हड़ताल वापस ले ली गई। एयरलाइन ने चालक दल के 25 सदस्यों को जारी सेवा समाप्ति का पत्र भी वापस ले लिया। बैठक में एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यूनियन ने रविवार को बयान में कहा कि बीमार होने की सूचना देकर छुट्टी पर गए चालक दल के सभी सदस्य काम पर वापस आ गए हैं।

# द्रमुक सरकार ने अन्नादुरई से जुड़ी 1956 की घटना का जिक्र करने पर मुकदमे की मंजूरी दी : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली सरकार ने द्रमुक संस्थापक सी एन अन्नादुरई और स्वतंत्रता सेनानी मुथुरामलिंग थेवर से जुड़ी 1956 की एक घटना का जिक्र करने के लिए उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है।

सरकार की मंजूरी की एक प्रति टैग करते हुए अन्नामलाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले तीन वर्षों में द्रमुक सरकार ने सच बोलने के लिए मेरे और हमारे भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ बहुत सारे मामले दर्ज किए हैं और हाल में मुझ पर फिर से मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है।'' उन्होंने कहा कि अब उन पर ''अतीत की एक घटना का जिक्र करने'' के लिए मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है। अन्नामलाई ने कहा, ''मैं द्रमुक सरकार को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने हमें 1956 में देवथिरुमगनर पसुमपोन मुथुरामलिंग थेवर द्वारा कही गई बात का जिक्र करने की अनुमति दी, जिसे वे लोगों की यादों से मिटाना चाहते हैं। द्रमुक सरकार को हमारा संदेश: आप हमें पोल खोलने से नहीं रोक सकते चाहे जितने मामले दर्ज कर लो।'' कथित नफरत भरे भाषण के लिए अभियोजन की मंजूरी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 196 के तहत दी गई है।

आदेश में कहा गया है कि सेलम के जिलाधिकारी ने एक निवासी (सामाजिक कार्यकर्ता) वी पियसुह की याचिका पर सरकार को पत्र लिखकर कानून के अनुसार सीआरपीसी की धारा 196 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया था। आदेश में कहा गया कि इस पर विचार करने के बाद शत्रुता को बढ़ावा देने सहित अन्य अपराधों के लिए अभियोजन की मंजूरी दी गई है। सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में 11 सितंबर 2023 को भाग लेने के लिए धर्मादा मंत्री पी के शेखर बाबू के खिलाफ एक प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए अन्नामलाई ने अन्नादुरई पर एक टिप्पणी की थी। भाजपा नेता ने कहा कि अन्ना ने 1950 के दशक में मदुरै में एक कार्यक्रम में हिंदू आस्था के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी की थी और स्वतंत्रता सेनानी पसुमपोन मुथुरामलिंग थेवर ने इसका कड़ा विरोध किया था। कुछ दिनों बाद अन्नामलाई ने कहा था कि उन्होंने अन्ना के बारे में बुरा नहीं कहा था, केवल इतिहास के पन्नों से एक घटना का जिक्र किया था कि किस तरह से मुथुरामलिंग थेवर ने सनातन धर्म का बचाव किया था।

# तेज गर्मी से अंगूर किसान परेशान, उपज में गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के अंगूर किसान निराश हैं। पिछले कुछ सप्ताह के दौरान उच्च तापमान के कारण अंगूर की पैदावार में भारी गिरावट की आशंका है।

राज्य में अंगूर की दो मुख्य किस्में – पन्नीर थिराचाई (मस्कट हैम्बर्ग) और ओडैपट्टी बीज रहित अंगूर उगाई जाती हैं। थेनी के किसानों के अनुसार लगभग 10 एकड़ भूमि पर पन्नीर थिराचाई की खेती की है। उन्होंने बताया कि उच्च तापमान के कारण फसल की पैदावार में भारी गिरावट आएगी। आम तौर पर, एक एकड़ में 10–12 टन अंगूर होते हैं। लेकिन तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने के कारण, उपज प्रति एकड़ तीन टन से भी कम होगी। उन्होंने आगे बताया कि एक एकड़ अंगूर की खेती के लिए किसान को करीब 1.25 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। यदि पैदावार प्रति एकड़ तीन टन तक गिर जाए तो किसानों की स्थिति दयनीय हो जाएगी। पन्नीर थिराचाई किसान संघ के नेता करुप्पनन राजू ने कहा, हमारे लगभग 90 प्रतिशत किसान कम्बम क्षेत्र में फलों की खेती कर रहे हैं। लू के थपेड़ों ने हमारी जिंदगी तबाह कर दी है। करीब 300 किसान पांच हजार एकड़ भूमि पर खेती कर रहे हैं और हमें भारी नुकसान की आशंका है। उन्होंने यह भी कहा कि उपज आम तौर पर मिलने वाली पैदावार के 80 प्रतिशत से कम होगी। उन्होंने तमिलनाडु कृषि विभाग से उनके नुकसान के लिए मुआवजा देने का आह्वान किया है। ओडैपट्टी बीज रहित अंगूर किसानों की भी यही कहानी है। ओडैपट्टी थेनी जिले का एक क्षेत्र है, जहां लगभग 1,000 एकड़ भूमि पर बीज रहित अंगूर की खेती की जाती है, जिसमें 200 किसान शामिल हैं। अंगूर किसान कृष्णन थेवर ने आईएएनएस को बताया, हम अंधकारमय भविष्य का सामना कर रहे हैं। हमें एक एकड़ से केवल दो–तीन टन अंगूर ही मिलेगा जो बहुत कम है। आम तौर पर, हम एक एकड़ भूमि से लगभग 12 टन फसल काटते हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार ओडैपट्टी अंगूर के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 50 रुपये प्रति किलोग्राम तय करे, जैसे राज्य सरकार ने फसल नुकसान होने पर गन्ने और धान के लिए किया था।

# यूट्यूबर सवक्कू शंकर पर लगाया गुंडा एक्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने यूट्यूबर 'सवक्कू' शंकर पर गुंडा एक्ट लगाया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। फिलहाल कोयंबटूर सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत बंद शंकर को ग्रेटर चेन्नई सिटी पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौड़ ने गुंडा एक्ट के तहत हिरासत में लेने का आदेश दिया। पुलिस ने कहा कि ग्रेटर चेन्नई पुलिस (जीसीपी) के सीसीबी/साइबर क्राइम पीएस में शंकर के खिलाफ सात मामले दर्ज हैं। इनमें से तीन मामलों की जांच चल रही है। दो मामलों में आरोप पत्र दायर किए गए हैं और दो मामलों की सुनवाई चल रही है। गौरतलब है कि शंकर एक लोकप्रिय यूट्यूबर और व्हिसलब्लोअर हैं और उन्होंने कई सामाजिक मुद्दों को जनता के सामने रखा है।

वह एक अन्य यूट्यूबर फेलिक्स गेराल्ड के साथ एक साक्षात्कार के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। गेराल्ड भी न्यायिक हिरासत में हैं।

# तिरुवनंतपुरम हत्याकांड का मुख्य आरोपी तमिलनाडु से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/तिरुवनंतपुरम।** केरल के तिरुवनंतपुरम में 26 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। आरोपी को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में एक ठिकाने से शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने अधिक जानकारी दिए बिना बताया कि उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया, ''मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए गहन तलाशी अभियान चलाया गया और पुलिस की एक टीम ने उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार किया।'' हत्याकांड के अन्य तीन आरोपी अब भी फरार हैं। अधिकारी ने बताया कि अपराध के समय कथित तौर पर आरोपी की कार चलाने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को करमना के पास कुछ लोगों ने अखिल नामक व्यक्ति पर कथित तौर पर लाठियों और ईंटों से बेरहमी से हमला किया था। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने उसी रात तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। तिरुवनंतपुरम के पुलिस उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) निधिनराज पी ने बताया कि चार आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनका पता लगाने के लिए उनके सहयोगियों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि कई दिन पहले अखिल और आरोपियों के बीच विवाद हुआ था और इसी का बदला लेने के लिए आरोपियों ने उस पर हमला किया। राज्य की राजधानी में हुई इस हत्या से राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह गृह विभाग और पुलिस की विफलता है। गृह विभाग मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के अधीन है।

राज्य के शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी शनिवार को मृतकों के परिजनों से मिले और उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

## जंगली हाथी ने महिला को कुचलकर मार डाला

**चेन्नई।** तमिलनाडु के गुदलूर में शनिवार को एक जंगली हाथी ने एक बुजुर्ग महिला को कुचल दिया। मृतक महिला की पहचान नागम्मल (72) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि महिला जंगल में गई थी। तभी हाथी ने उस पर हमला कर दिया। स्थानीय लोग उसे तुरंत गुदलूर तालुक अस्पताल लेकर गये, लेकिन चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

## भाजपा नेताओं ने यौन शोषण मामले में सीबीआई जांच की मांग की

**बेंगलूरु।** कर्नाटक में विपक्षी भाजपा नेताओं ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए रविवार को हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों और संबंधित मामलों की सीबीआई जांच की मांग जारी रखी।

जद (एस) सांसद प्रज्वल (जो पार्टी संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पौत्र) महिलाओं के यौन शोषण के आरोप का सामना कर रहे हैं। इस मामले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और इसे लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा–जदएस आपस में भिड़ गए हैं।

# प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को हराया, लेकिन अब भी तीसरे स्थान पर बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/वारसॉ।** भारत के आर प्रज्ञाननंदा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पर एक और जीत दर्ज की लेकिन वह सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट में अब भी तीसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि चीन के वेई यी ने 2.5 अंकों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है।

ब्लिट्ज प्रतियोगिता में अभी नौ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। वेई यी सात जीत के साथ 20.5 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। कार्लसन के 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद प्रज्ञाननंदा का नंबर आता है। इस भारतीय खिलाड़ी के हालांकि 14.5 अंक है और ऐसे में खिताब के लिए मुख्य मुकाबला वेई यी और कार्लसन के बीच रह गया है।

भारत के अर्जुन एरीगैसी 14 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं, जबकि पोलैंड के डुडा जान क्रिज़्सटोफ़ 13 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव 12.5 के साथ छठे स्थान पर हैं और उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर एक अंक की बढ़त बना रखी है। प्रतियोगिता के शुरू में शीर्ष पर रहने वाले रोमानिया के किरिल शेवचेंको 11 अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं।

हॉलैंड के अनीश गिरी 10.5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं लेकिन विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है क्योंकि वह 1,75,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में 9.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

# उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने समर्थकों से जन्मदिन न मनाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को अपने समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे राज्य में गंभीर सूखे के कारण 15 मई को उनका जन्मदिन न मनाएं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी बताया कि वह अपने जन्मदिन पर लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर भारत में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। कर्नाटक ने 240 तालुकों में से 223 को सूखा प्रभावित घोषित किया है जिनमें से 196 को गंभीर रूप से सूखा प्रभावित श्रेणी में रखा गया है।

शिवकुमार ने कहा, मैं अपने समर्थकों और प्रशंसकों से आग्रह करता हूं कि वे राज्य में सूखे की स्थिति को देखते हुए 15 मई को मेरा जन्मदिन न मनाएं।

## आमंत्रण

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उन्हें केएलई संस्थान के दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया। रविवार को बिहार चुनाव प्रचार पर जाने से पहले मंत्री जोशी ने दिल्ली में उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। मंत्री जोशी और केएलई प्रमुख प्रभाकर कोरे दोनों ने उपराष्ट्रपति को केएलई के विकास के बारे में जानकारी दी। केएलई ने एक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया और समारोह में भाग लेने के लिए उन्होंने उपराष्ट्रपति को हार्दिक निमंत्रण दिया।

## मंथन

बेंगलूरु में रविवार को शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की चुनाव पूर्व बैठक में बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया एवं केपीसीसी के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस बैठक कांग्रेस के कार्यकारी अधिकारी, नेता एवं उम्मीदवार आदि उपस्थित थे।

# एसएम कृष्णा की हालत स्थिर

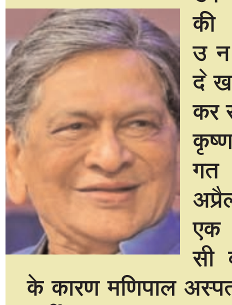

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा यहां एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है और डॉक्टरों की टीम उनकी देखभाल कर रही है। कृष्णा को गत 30 अप्रैल को एक छोटी सी बीमारी के कारण मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कृष्णा (91) का वर्तमान में डॉ. सत्यनारायण और डॉ. सुनील कारंत के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम की देखरेख में इलाज चल रहा है। आईसीयू में रहते हुए भी उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और सुधार के संकेत दिख रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बेंगलूरु अस्पताल में वरिष्ठ राजनेता से मिलने के बाद श्री कृष्णा के ठीक होने के बारे में आशावाद व्यक्त किया। दौरे के बाद उन्होंने टिप्पणी की, मैंने उनसे मुलाकात की। उनमें सुधार दिख रहा है और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

भारतीय राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति एसएम कृष्णा ने 11 अक्टूबर 1999 से 28 मई 2004 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने 2009 से 2012 तक संप्रग सरकार में विदेश मंत्री तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। लगभग पांच दशकों तक कांग्रेस के साथ रहने के बाद कृष्णा मार्च 2017 में भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने पिछले साल सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया इसके साथ उनके प्रतिष्ठित राजनीतिक करियर का अंत हो गया।

# प्रज्ज्वल रेवन्ना पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच सीबीआई को सौंपने से सिद्दरामैया का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों से संबंधित मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इनकार करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें प्रकरण की जांच कर रहे राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) पर भरोसा है। उन्होंने ऐसी मांग करने के लिए भाजपा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि उसे पुलिस पर भरोसा क्यों नहीं है। उन्होंने भाजपा पर निष्पक्ष जांच कर रही एसआईटी के बारे में लोगों के मन में भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से भ्रामक बयान देने का आरोप लगाया।

सिद्दरामैया ने सीबीआई जांच की भाजपा की मांग को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा, हम अपनी पुलिस (एसआईटी) से जांच करा रहे हैं, हमें अपनी पुलिस पर भरोसा है। वे सक्षम हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि भाजपा ने एक बार सीबीआई को भ्रष्टाचार जांच ब्यूरो कहा था, और सत्ता में रहते हुए पार्टी ने कांग्रेस की बार–बार मांग के बावजूद कभी भी केंद्रीय एजेंसी को एक भी मामला नहीं सौंपा।

उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं है कि मुझे सीबीआई पर भरोसा नहीं है, जिन मामलों को सौंपने की जरूरत है, उन्हें दिया जाएगा। जब मैं पहले मुख्यमंत्री था, तो मैंने सात मामले सीबीआई को दिए थे, लेकिन एक भी मामले में दोषसिद्धि नहीं हुई... इसका मतलब ये नहीं कि मुझे सीबीआई पर भरोसा नहीं है... एसआईटी भी सीबीआई की तरह एक जांच एजेंसी है, हम अपनी पुलिस से जांच कराएंगे।''

जनता दल (सेक्लुयर) के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना (33) महिलाओं के यौन शोषण के आरोप का सामना कर रहे हैं। इस मामले को लेकर राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है और सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा भाजपा–जद(एस) आमने–सामने है।

# एसआईटी ने प्रज्ज्वल रेवन्ना मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु। प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने रविवार को हासन के सांसद से जुड़े कथित अश्लील वीडियो को प्रसारित करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि दो व्यक्तियों – चेतन और लिकित गौड़ा को हासन से गिरफ्तार किया गया और वे जिले में भाजपा से कथित तौर पर जुड़े हुए हैं।

धिकारियों ने दोनों के बयान दर्ज किए हैं। कर्नाटक में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के कुछ दिन पहले हासन से भाजपा–जद(एस) के संयुक्त उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो वाले पेन–ड्राइव जिले में प्रसारित किए गए थे।

सूत्रों ने बताया कि इसके बाद जनता दल (सेक्युलर) के चुनाव एजेंट पूर्णचंद्र तेजस्वी ने मामले को लेकर साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। हासन से मौजूदा सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। प्रज्ज्वल महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस मामले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा–जद(एस) के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है।

# राजस्थान के अनेक इलाकों में आंधी, बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए विक्षोभ के असर से राजधानी जयपुर सहित राजस्थान के अनेक इलाकों में पिछले चौबीस घंटे में बूंदाबांदी और बारिश हुई। अधिकतम तापमान में गिरावट होने से लोगों को थोड़ी राहत मिली है। राजधानी जयपुर में बीती रात लगभग 12 बजे तेज धूल भरी आंधी आई। शनिवार दोपहर बाद से ही राज्य के बीकानेर सहित अनेक इलाकों में तेज धूल भरी आंधी व बादल छाए रहने का दौर जारी है।

जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में आंधी बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश पूर्वी राजस्थान के देवगढ़, राजसमंद में 42 मिलीमीटर हुई। मौसम बदलने से अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान घटकर 42 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है।

शनिवार देर रात अंधड़ व बारिश से लोगों को गर्मी में राहत मिली है। रात करीब 1:00 बजे अंधड़ के साथ जिले में हल्की बारिश हुई। इससे तापमान करीब 7 डिग्री कम हो गया। भीषण गर्मी व तेज धूप से व्याकुल लोगों को बारिश से काफी राहत मिली है। अंधड़ व बारिश का दौर करीब 1 घंटे तक चला। इससे रविवार सुबह पारा लुढ़क कर 29 डिग्री हो गया। इससे पूर्व शनिवार शाम करीब 7:00 बजे भी शहर में हल्का अंधड़ आया और ठंडी हवा से लोगों को काफी राहत मिली। पश्चिमी विक्षोभ के चलते कई दिनों से जिले में मौसम का मिजाज बदला हुआ है।

## 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों को खरगे के पत्र पर निर्वाचन आयोग की प्रतिक्रिया अनुचित : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि पहले दो चरणों के मतदान प्रतिशत के आंकड़े जारी करने में देरी पर चिंता जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों को लिखे गए पत्र पर निर्वाचन आयोग की प्रतिक्रिया पूरी तरह से अनुचित है। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी द्वारा 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों को लिखे गए पत्र पर निर्वाचन आयोग की प्रतिक्रिया पूर्णत: अनुचित एवं अवांछित है। उन्होंने कहा, खरगे जी द्वारा उठाए गए जायज सवालों पर निर्वाचन आयोग की भाषा एक संवैधानिक संस्था से ज्यादा राजनीतिक दल की लग रही है। आयोग अपनी जिम्मेदारी से काम करने के बजाय इस चुनाव में एक पक्ष के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है जो आम जन के मन में शंकाएं पैदा कर रहा है। यह आयोग की छवि के लिए भी सही नहीं है।

# मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग ओडीके एप से होगी : शुभ्रा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण नवाचार किया है। इस नवाचार के तहत अब मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग विभाग द्वारा ओडीके एप से की जाएगी। इस नवाचार से प्रदेशभर में मौसमी बीमारियों की स्थिति की रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी और बचाव एवं रोकथाम के लिए त्वरित रूप से कारगर कदम उठाए जा सकेंगे। ओडीके एप का मुख्य उद्देश्य हाउस इण्डेक्स, ब्रटू इण्डेक्स एवं कंटेनर इण्डेक्स को कम कर मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया के केसों में कमी लाना है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश में मच्छरजनित मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग हेतु एक नवाचार किया गया है। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया की तीव्रता प्रायः वर्षा ऋतु के प्रारम्भ जुलाई–अगस्त से लेकर अक्टूबर–नवम्बर तक रहती है। विगत वर्षों में लाइफ स्टाइल एवं मौसम परिवर्तन के चलते मौसमी बीमारियों का प्रसार बढ़ने लगा है। भारत सरकार ने इस वर्ष डेंगू रोग के अधिक प्रसार की आशंका व्यक्त की है। इसे देखते हुए विभाग सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित कर रहा है।

श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मौसमी बीमारियों से बचाव व नियंत्रण हेतु विभिन्न विभागीय एवं अन्तर्विभागीय गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण की दृष्टि से चिकित्सा विभाग ने तकनीक के उपयोग पर जोर दिया है। विभाग ओडीके ऐप द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग करेगा। एप के माध्यम से मच्छर के प्रजनन स्थलों तथा लार्वा पाये जाने वाले स्थानों की फोटो लेकर स्वायत्त शासन विभाग या पंचायती राज विभाग को भेजा जाएगा। फोटो मिलने के बाद संबंधित विभाग उन स्थानों पर एंटी लार्वा एवं मच्छर रोधी गतिविधियां कर आमजन को बीमारियों से बचाएंगे।

फील्ड में भ्रमण दौरान मच्छर के प्रजनन स्थानों की पहचान कर फोटो लेने का कार्य विभिन्न स्तर के अधिकारियों–कार्मिकों द्वारा किया जा सकेगा। एएनएम.,आशा, सीएचओ, एमपीडब्ल्यू, डीबीसी वर्कर, ब्लॉक स्तर से बीपीएम, ब्लॉक सुपरवाइजर, बीसीएमओ, जिला स्तर से एन्टोमोलोजिस्ट, वीबीडी कन्सलटेन्ट, एपिडेमियोलोजिस्ट, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जोन एवं राज्य स्तरीय अधिकारी फोटो लेकर संबंधित विभाग को भेज सकेंगे। सड़क पर पड़ा हुआ कचरा, नाली में सफाई के अभाव में रूका हुआ पानी, गड्ढों में भरा पानी, खाली प्लॉट में कचरा/पानी, बड़े जल स्रोतों (तालाब, पोखर/बावड़ी) में कचरा, घर के बाहर पानी के अन्य स्त्रोत टंकी आदि।

# इस मानसून प्रदेशभर में वृहद स्तर पर किया जाएगा पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। प्रदेशभर में इस वर्ष मानसून से पूर्व वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जाएगा जिसकी तैयारी के लिए शनिवार को जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने प्रदेश की सभी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, वन विभाग, जल संसाधन, शिक्षा विभागीय अधिकारियों की विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक ली और कहा कि अपने–अपने जिलों की भौगोलिक परिस्थितियों का भलिभांति अध्ययन कर लें और तदनुसार पौधारोपण स्थल और पौधों की किस्म का चयन करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि मनरेगा, जल संसाधन, वन विभाग, शिक्षा विभाग आदि के सहयोग से शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। सरकारी विद्यालयों में प्रत्येक विद्यार्थियों द्वारा न्यूनतम एक पौधे का रोपण किया जाएगा। जिसकी देखभाल भी रोपण करने वाले विद्यार्थी द्वारा की जाएगी। इस माह में निर्धारित स्थलों यथा विद्यालयों के खेल मैदानों, चारागाह भूमि, सड़कों के दोनो छोर, वन भूमि, आंगनवाड़ी केन्द्र परिसर, सार्वजनिक उद्यानों आदि उपयुक्त स्थलों का चयन किया जाएगा और आगामी जून माह में पौधारोपण के लिए गड्ढे खोदने संबंधी समस्त तैयारी पूर्ण कर जुलाई माह से पौधारोपण कार्य होगा। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, राजीविका द्वारा संचालित विभिन्न स्वयं सहायता समूह, भामाशाहों आदि के यथोचित सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाएं। सितम्बर माह में रोपे हुए पौधों की वस्तुस्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार पहाड़ी व मैदानी जगहों पर घास लगवाएं और इसके बीजों का संरक्षण कर आगामी वर्ष के लिए पुन: पौधें तैयार करें।

विडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सभी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोपे हुए पौधे की नियमित सिंचाई, आवारा पशुओं से बचाने के लिए ट्री गार्ड आदि की व्यवस्था कराने सहित पौधों की सार–संभाल कर उन्हें जीवित रखने के लिए क्षेत्रवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करें जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपदाओं के संवर्धन के इस कार्य के आशातीत परिणाम प्राप्त हो सके। सरकारी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों में सब्जियों व फलदार पौधों का रोपण किया जाएगा ताकि इसका लाभ स्थानीय विद्यार्थियों को मिल सकेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि आगामी 28 जुलाई को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर प्रदेशभर में जन अभियान के रूप में पौधारोपण किया जाएगा। इसके लिए पंचायत समितिवार तथा प्रति विद्यालय को लक्ष्यों का आवंटन किया जाएगा। विडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उदयपुर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी कीर्ति राठौड़ को निर्देश दिए कि वे उदयपुर–झाड़ोल मार्ग के दोनों ओर पहाड़ियों पर स्थानीय मिट्टी की अनुकूलता वाली घास का रोपण करें और अन्य पौधों का भी सघन रोपण कर वर्षपर्यन्त पहाड़ियों को हरी–भरी रखने का प्रयास करें इसके लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करें और मनरेगा अथवा अन्य योजना में बजट उपलब्धता के अनुसार इस कार्य को संपादित करें। विडियो कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के सभी जिलों से कार्य योजना की समीक्षा की गई तथा विस्तृत रिपोर्ट आगामी 26 मई तक प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती कीर्ति राठौड़ सहित वन, शिक्षा, पंचायती राज, जलग्रहण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी–प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## केकड़ी न्यायालय में फिल्म जॉली एल.एल.बी.-3 के खिलाफ वाद दायर

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के बाद केकड़ी में भी फिल्म 'जॉली एल.एल.बी.–3' के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया है, जिसकी न्यायालय में 13 मई को सुनवाई होगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक केकड़ी जिले के सिविल न्यायालय की मुंसिफ कोर्ट में वकील मनीष छीपा ने वाद दायर किया है। बताया जा रहा है कि केकड़ी जिले के राजकीय चिकित्सालय बांदनवाड़ा में फिल्मांकन किया जा रहा है। एडवोकेट छीपा द्वारा दायर वाद में केकड़ी जिला कलक्टर सहित फिल्म प्रोड्यूसर, अभिनेता, फिल्म यूनिट को इस आधार पर पाबंद करने कि गुहार लगाई है कि फिल्मांकन के दौरान तमाम दृश्यों और डायलॉग में न्यायालय एवं अधिवक्ताओं की गरीमा का ध्यान रखा जाये और किसी भी रूप में इन्हें ठेस न पहुंचे।मामले की सुनवाई सिविल न्यायायिक मजिस्ट्रेट शुभम गुप्ता सोमवार को करेंगे। उल्लेखनीय है कि अजमेर के रेलमंडल में शूटिंग के दौरान न्यायालय एवं वकीलों की छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं साथियों की ओर दायर वाद में अजमेर मुंसिफ उत्तर की अदालत में 18 मई को सुनवाई की जायेगी।

# अमरीका की राजदूत पेट्रिसिया ए लेंसीना भरतपुर के केवालदेव राष्ट्रीय उद्यान में पक्षियों को देख हुई उत्साहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। अमरीका की राजदूत पेट्रिसिया ए लेंसीना का आज भरतपुर में दूसरा दिन है।सुबह 6 बजे केवालदेव राष्ट्रीय उद्यान में पहुंची.जंहा पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने स्वागत किया। उसके बाद केवालदेव राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया। उद्यान में पक्षियों को निहारने के साथ काफी उत्साहित नजर आई। शनिवार शाम को राजकीय संग्रहालय का भ्रमण किया था.भ्रमण के बाद पर्यटन विभाग के अधिकारी और गाइडो का आभार जताया।

अमरीका राजदूत पेट्रिसिया ए लेंसीना शनिवार दोपहर को दो दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंची थी। जंहा शनिवार शाम को राजकीय संग्रहालय का भ्रमण कर बेहद बेशकीमती मूर्तियां और18वीं शताब्दी की बंदूकें और तोपों को देखा।

रविवार सुबह 6 बजे के आस पास केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण करने पहुंची। पर्यटन विभाग की ओर से अमरीका राजदूत पेट्रिसिया ए लेंसीना का स्वागत कर ई रिक्शा और गाइड उपलब्ध कराया गया। उद्यान में देशी विदेशी पक्षियों को देख काफी उत्साहित नजर आई। साथ में मौजूद गाइडो ने उन्हें देशी विदेशी पक्षियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।अमरीका राजदूत पेट्रिसिया ए लेंसीना भ्रमण के दौरान केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन और पर्यटन विभाग का आभार जताया।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान पक्षियों को पक्षियों का स्वर्ग कहा जाता है क्योंकि यहां देशी विदेशी 350 से अधिक प्रजाति के पक्षी प्रवास पर आते हैं। इनमें से करीब 120 प्रजाति के विदेशी पक्षी यहां प्रवास करते हैं. साथ ही करीब 80 से अधिक प्रजाति और विदेशी पक्षी कम समय के लिए या पासिंग प्रवास के लिए यहां रुकते हैं। ऐसे में करीब 200 से अधिक प्रजाति के विदेशी पक्षी घना में सर्दी के मौसम में प्रवास करते हैं।

## दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस पर हादसा, तीन की मौत

जयपुर। दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस पर रविवार सुबह सड़क हादसे में पति–पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बांदीकुई (दौसा) के ऊंनबड़ा गांव के पास सुबह लगभग पांच बजे हुआ। बांदीकुई के थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक ने बताया कि मार्ग पर अचानक गाय आने से तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई जिससे इसमें सवार लोग नुकसान का जायजा लेने के लिए उतरे तो पीछे से एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी एक और अन्य ट्रक उन लोगों को कुचलता हुआ निकल गया।

हादसे में अहमदाबाद के हंसमुख (32) उनकी पत्नी सीमा (30) एवं चाचा मोहनलाल (55) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

### परिंडे

चूरू में रविवार को नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए परिण्डे लगाए और इनकी देखरेख की जिम्मेदारी भी ली।

## गुर्दा प्रतिरोपण मामले में निजी अस्पताल के दो चिकित्सक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने किडनी प्रतिरोपण मामले में जयपुर स्थित एक निजी अस्पताल के दो चिकित्सकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस मामले में 'फोर्टिस अस्पताल जयपुर' के 'नेफ्रोलॉजिस्ट' डॉ. जितेन्द्र गोस्वामी एवं 'यूरोलॉजिस्ट' डॉ. संदीप गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है।

यह गिरफ्तारी भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने अंग प्रतिरोपण के लिए फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) संबंधी मामले में मंगलवार को सवाई मान सिंह (एसएमएस) मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा एवं एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा को तत्काल प्रभाव से पद से विमुक्त कर दिया था।

राज्य सरकार ने डॉ. सुधीर भंडारी को 'स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन' के सुचारू संचालन के लिए गठित 'स्टीयरिंग कमेटी' के चेयरमैन पद से भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया। उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक अप्रैल को अंग प्रतिरोपण के सिलसिले में अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने की एवज में रिश्वत लेने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।आरोप है कि ये अधिकारी पैसे लेकर फर्जी एनओसी जारी कर रहे थे। इसके बाद जयपुर के कई अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

## मोदी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी भाजपा : तिवाड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यसभा सदस्य व भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी ने इस लोकसभा चुनाव में पार्टी की जीत का भरोसा जताते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी।

इसके साथ ही तिवाड़ी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह सैम पित्रोदा और मणिशंकर अय्यर जैसे लोगों को अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिए काम में लेती है।

पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मोदी की गारंटी केवल एक व्यक्ति की गारंटी नहीं है, बल्कि भाजपा के एक सामान्य कार्यकर्ता की गारंटी है। आज बूथ मैनेजमेंट के मामले में भाजपा को कोई सानी नहीं है। कांग्रेस पार्टी के लोगों ने पहले चरण में अपनी पराजय पहले ही मान ली थी, इसलिए कांग्रेस पार्टी के लोग मतदान करने नहीं आए।'

उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी। वहीं कांग्रेस पार्टी को लोकसभा में मान्यता प्राप्त विपक्षी दल जितनी सीटें भी नहीं मिलेंगी।' प्रधानमंत्री मोदी के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक बयान पर पलटवार करते हुए तिवाड़ी ने यह भी कहा, 'यह खीज और हताशा साफ दर्शाती है कि उनके बेटे वैभव गहलोत जालोर से चुनाव हार रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए खास रणनीति के तहत मणिशंकर अय्यर और सैम पित्रोदा जैसे लोगों को अपना प्रमुख प्रवक्ता बनाया है।

# 2014 से पहले रोज लिखी जाती थी भ्रष्टाचार की नई इबारत, जनता को मोदी के विजन पर विश्वास : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में हर रोज भ्रष्टाचार की नई इबारत लिखी जाती थी। एक घोटाला सामने आता था और कुछ ही दिन में उससे बड़ा अगला घोटाला उजागर होता था। 2014 के बाद देश को घोटालों, आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्ति मिली। इसलिए देश की जनता को मोदी जी के विजन पर विश्वास है।

मुख्यमंत्री रविवार को मुम्बई में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा स्वार्थ, परिवारवाद और अफवाहों की राजनीति करती है और अब तो वे नस्लभेद पर भी उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को कमजोर किया है। ये पार्टी गरीब की सिर्फ बात ही करती थी, गरीबों से उनका कोई वास्ता नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने गरीब कल्याण की परिभाषा ही बदल दी।

शर्मा ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। उसका भी देश के प्रति कर्तव्य है। मीडिया को देश में हो रहे विकास की कहानी लोगों तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के झूठे और लुभावने घोषणा पत्रों की पड़ताल कर सच्चाई जनता तक पहुंचानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की वर्तमान सरकार ने कुछ माह के कार्यकाल में वो कार्य किए हैं जो कांग्रेस वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद नहीं कर पाई। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान के 21 जिलों के निवासियों की पेयजल तथा सिंचाई की समस्या का समाधान करने के लिए ईआरसीपी समझौता तथा शेखावटी के जिलों के लिए यमुना जल समझौता भी बेहद कम समय में किया गया। संकल्प पत्र के लगभग 45 प्रतिशत वादे राजस्थान की वर्तमान सरकार ने पूरे कर दिए हैं।

शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार के मुद्दे पर राजनीति में आए थे और खुद ही आकंठ भ्रष्टाचार डूब गए। जनता केजरीवाल की बातों को गंभीरता से नहीं लेती है क्योंकि वे तो खुद ही जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और ओडिशा सहित लगभग सभी राज्यों में भाजपा की सीटें बढ़ेंगी तथा राजस्थान में एक बार फिर 25 में से 25 सीटें पार्टी को प्राप्त होंगी।

# गहलोत को हो गया हार का अहसास, अब दे रहे है अनर्गल बयान : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों की निंदा करते हुए उनके ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। राठौड़ ने कहा कि ईवीएम के बाद अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम में कांग्रेस की हार होने वाली है। राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में करारी हार से सदमे में आई कांग्रेस पार्टी की अब आदत बन चुकी है कि जहां भी चुनाव हारती हैं वहां पर ईवीएम और चुनाव आयोग पर दोष मढ़ती हैं। राठौड़ ने कहा कि गहलोत साहब, जब आप लोग जीतते हो तो सब कुछ ठीक–ठाक रहता है और जब आपको अपनी करारी हार का पूरा विश्वास हो जाए, तो कभी ईवीएम हैक का बहाना

बनाते हो, तो कभी चुनाव आयोग पर ही अनर्गल टिप्पणी और तथ्यहीन आरोप लगाते हो। राठौड़ ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तीन चरण पूरे हो चुके हैं और जमीनी स्तर पर एनडीए को मिल रहे अपार जनसमर्थन से यह स्पष्ट है कि अबकी बार 400 पार का संकल्प जरूर पूरा होगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हालत बद से बदतर होने वाली है, इसलिए आप लोग अब चुनाव आयोग पर ही सवालिया निशान लगा रहे हो। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को आरोपों के कटघरे में खड़ा करना निंदनिय है।

राठौड़ ने कहा कि राज्य में विगत कांग्रेस सरकार में तत्कालीन मुखिया गहलोत ने न्यायपालिका, मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं पर जो अनर्गल टिप्पणी की थी, वो जगजाहिर है। तब शायद ही कोई दिन गुजरता होगा जब उन्होंने मुख्यमंत्री जैसे गरिमामय पद की मर्यादा को लांघकर संवैधानिक संस्थाओं का मखौल नहीं उड़ाया हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# कांग्रेस के अंदर औरंगजेब की आत्मा दाखिल हो गई है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमेठी/सीतापुर/बहराइच (उप्र)/भाषा।** लोकसभा चुनाव को 'राम भक्तों' और 'राम द्रोहियों' के बीच मुकाबला बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में 'जजिया कर' की तरह विरासत कर लगाने की बात कर रही है। मुख्यमंत्री ने अमेठी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार स्मृति ईरानी के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राम और राष्ट्र एक दूसरे के पर्याय हैं और जो लोग राम का विरोध कर रहे हैं वो राष्ट्र का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध केवल दो ही लोग कर रहे हैं, एक पाकिस्तान और दूसरा रामद्रोही।

आदित्यनाथ ने आरोप लगाया, कांग्रेस अपने घोषणापत्र में विरासत कर लगाने की बात कह रही है। ये एक तरह का जजिया कर है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के अंदर औरंगजेब की आत्मा आ गई है। उन्होंने कहा कि पहली बार अमेठी वासियों ने किसी दल का पिछलग्गू बनने की जगह भारत के विकास का सारथी बनने का निर्णय लिया।

आदित्यनाथ के मुताबिक, स्मृति ईरानी ने भी पांच साल में जितना दौरा अमेठी का किया, कांग्रेस की चार पीढ़ियां नहीं कर सकीं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, जिन्हें पाकिस्तान से प्रेम है वो वहां जा सकते हैं। आज पाकिस्तान में जनता भूखी मर रही है, जबकि भारत में उससे अधिक आबादी को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल में गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। कांग्रेस ये कार्य क्यों नहीं कर सकी? उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपनी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 'गरीबी हटाओ' के नारे को रटने का काम कर रहे हैं।

आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री तथा मोहनलालगंज से सांसद व भाजपा प्रत्याशी कौशल किशोर के पक्ष में सीतापुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, सपा, कांग्रेस सहित विपक्षियों के 'इंडी' ('इंडिया') गठबंधन और पाकिस्तान का डीएनए मिलता-जुलता है। उन्होंने कहा, सपा-कांग्रेस के समय गरीब भूखे मरते थे। पाकिस्तान में भी लोग भूखें मर रहे हैं और यहां 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, संप्रग सरकार के समय उपचार की व्यवस्था नहीं थी। यह लोग आस्था के साथ खिलवाड़ करते थे।

## दिल्ली में भाजपा ने निकाली मोटरसाइकिल रैली, मोदी के समर्थन में सिख युवा हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में मोटरसाइकिल रैली निकाली, जिसमें सिख समुदाय के कई युवाओं ने भाग लिया। भाजपा ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।

मोटरसाइकिलों की यह रैली ''सिख मोदी के साथ'' के नारे के साथ भाजपा के प्रदेश कार्यालय से शुरू हुई और कनॉट प्लेस होते हुए पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय पहुंची।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री समाज के हर वर्ग को महत्व देते हैं, लेकिन जिस तरह से सिख समुदाय के लिए करतारपुर कॉरिडोर खोला गया, 26 दिसंबर को वीर शाहबजादों के नाम पर वीर बाल दिवस की घोषणा की गई, लंगर को कर मुक्त किया गया और गुरु गोविंद सिंह जी की 350वीं जयंती का समारोह मनाया गया, ये सभी ऐतिहासिक कार्य मोदी सरकार ने किए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इतना ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने सिख दंगों के पीड़ितों के 'आंसू भी पोंछे'। उन्होंने कहा कि अगर किसी सरकार ने सिख युवाओं को अवसरों के साथ सशक्त बनाया है, तो वह केवल मोदी सरकार है।

भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, '' 'सिख मोदी के साथ' के नारे के साथ आज सिख समुदाय सड़कों पर इस संदेश के साथ आगे बढ़ रहा है कि हम सब मोदी के साथ खड़े हैं। मोदी के नेतृत्व में हमारा विकसित भारत का सपना पूरा होगा।'' भाजपा सांसद जनरल वी के सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का झुकाव हमेशा से सिख समुदाय की ओर रहा है।

## मणिपुर में हिंसा फैलने से पहले वर्ष 2023 में 2,480 अवैध प्रवासियों का पता चला : एन बीरेन सिंह

**इंफाल/भाषा।** मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की उपसमिति ने वर्ष 2023 में 2,480 अवैध प्रवासियों का पता लगाया था लेकिन पिछले साल तीन मई को हिंसा भड़कने के कारण इस अभियान को रोकना पड़ा। सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बढ़ते निर्वनीकरण और अवैध प्रवासियों द्वारा नए गांव स्थापित किए जाने से जुड़ी चिंता के कारण एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन फरवरी 2023 में किया गया था। उन्होंने कहा कि इस समिति के गठन का फैसला एक बैठक के बाद लिया गया जिसमें दो कुकी मंत्री लेत्पाओ हाओकिप और नेम्चा किपगेन शामिल थे। हाओकिप को अवैध प्रवासियों की पहचान करने वाली उपसमिति का प्रमुख बनाया गया था।

सिंह ने कहा, ''हम किसी के प्रति पक्षपाती नहीं हैं, लेकिन अवैध प्रवासियों के खिलाफ हैं। यह राज्य मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया निर्णय था।'' उन्होंने कहा, ''चंदेल के 10 गांवों में लोगों का 'बायोमेट्रिक्स' लिया गया जिसके दौरान 1,165 अवैध प्रवासी पाए गए। तेंगनौपाल जिले के 13 गांवों में 1,147 अवैध प्रवासी पाए गए, चुराचांदपुर में 154 अवैध प्रवासी मिले और बाकी कामजोंग जिले में पाए गए।'' सिंह ने कहा कि इन आंकड़ों में कामजोंग जिले में प्रवेश करने वाले अतिरिक्त 5,457 अवैध प्रवासियों को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि 5,173 लोगों के बायोमेट्रिक्स लिए गए हैं, जबकि पड़ोसी देश में स्थिति में सुधार होने के बाद 329 लोग स्वेच्छा से स्वदेश लौट गए। उन्होंने कहा कि अवैध अप्रवासियों की पहचान करने का अभियान शुरू होने के एक महीने बाद ही बंद कर दिया गया था क्योंकि तीन मई को हिंसा भड़क गई थी। राज्य में पिछले साल तीन मई को हिंसा भड़कने के बाद से 219 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

## प्रधानमंत्री हैट्रिक की राह पर, विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा।** केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने देश की प्रगति के लिए शासन में निरंतरता को महत्वपूर्ण बताते हुए रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी हैट्रिक लगाने और विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए तैयार हैं।

ठाकुर ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि विपक्ष द्वारा लगाया गया कोई भी आरोप मोदी के सामने टिक नहीं सकता। लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर विपक्ष के दावे को ''हास्यास्पद'' करार देते हुए ठाकुर ने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 370 सीट के लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है, जिसमें पिछली बार जीती गई 303 सीट और 70 वे सीट शामिल हैं, जहां वह दूसरे स्थान पर रही थी। ये 70 सीट उन 160 संसदीय क्षेत्रों का हिस्सा हैं, जिन्हें भाजपा ने 2019 के बाद व्यापक मंत्रिस्तरीय संपर्क कार्यक्रम शुरू करने के लिए चिह्नित किया था। ठाकुर ने कहा, ''तीसरे चरण के चुनाव के बाद मैं कह सकता हूं कि मोदी जी हैट्रिक पर हैं। मैं ऐसा एकतरफा मतदान के कारण कह रहा हूं। कांग्रेस कार्यकर्ता मैदान से पीछे हट गए हैं। सूरत और इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव से हट गए। ओडिशा में कांग्रेस उम्मीदवार ने टिकट लौटा दिया।

राहुल गांधी 2019 में अमेठी से भाग गए और वायनाड चले गए। अब वह रायबरेली आ गए हैं, मुझे नहीं पता कि वह आगे कहां जाएंगे।'' हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से लगातार पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे चार बार के सांसद ठाकुर ने कहा कि वह मोदी के नाम पर और सांसद के रूप में पिछले कुछ वर्षों में शुरू किए गए विकास कार्यों के नाम पर भी एक बार फिर लोगों से जनादेश मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, स्थिरता और निरंतरता देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

## भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी अपनी जेबों से मुफ्त राशन नहीं दे रहे: मायावती

**चंडीगढ़/भाषा।** बसपा की प्रमुख मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों को अपनी जेब से मुफ्त राशन नहीं दे रही और निर्धन लोग इसकी वजह से भाजपा को वोट देने के लिए बाध्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार गरीब परिवारों को थोड़ी मात्रा में राशन दे रही है।

हरियाणा के करनाल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान भाजपा और आरएसएस के लोग गांव-गांव जाते हैं और जिन गरीबों को यह मुफ्त राशन मिल रहा है, उन्हें बताते हैं कि भाजपा और नरेन्द्र मोदी सरकार उन्हें यह राशन दे रही है। मायावती ने आरोप लगाया, ''वे भाजपा को वोट देकर कर्ज चुकाने को कहते हैं।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि गरीब लोगों को इससे गुमराह नहीं होना चाहिए ''क्योंकि मुफ्त राशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या भाजपा की जेब से नहीं, बल्कि करदाताओं के पैसे से दिया जा रहा है। मायावती ने करनाल से बसपा के उम्मीदवार इंदर सिंह के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैं मुफ्त राशन लेने वाले गरीबों को बताना चाहती हूं कि भाजपा या मोदी अपनी जेब से उन्हें ये नहीं दे रहे हैं, बल्कि करदाताओं के पैसे से आपको मुफ्त राशन मिल रहा है।

## पटना में प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो से पहले लालू ने कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने रविवार को बिहार की राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो से पहले एक बयान जारी कर उन पर तंज कसा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'नुक्कड़ नाटक' से बिहार को क्या लाभ होगा।

राजद प्रमुख ने कहा, यह बिहार है। तीन चरणों में बिहार ने प्रधानमंत्री को सड़क पर ला ही दिया, बाक़ी बचे चार चरणों में गली-गली में चक्कर लगवा देगा। लालू प्रसाद ने प्रधानमंत्री मोदी को राज्य की बंद पड़ी चीनी मिल को खुलवाने के लिए 2014 में किए गए वादे की याद दिलाई और कहा कि नीतीश कुमार के अनुरोध के बावजूद बिहार को विशेष दर्जा तथा पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा देने में केंद्र विफल रहा। उन्होंने कहा, बिहार के लोग बुड़बक (मूर्ख) नहीं हैं।

## प्रधानमंत्री मोदी ने देश की 'पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों' को दे दी : प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रायबरेली (उप्र)/भाषा।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए उन पर देश की पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों को देने का आरोप लगाया।

प्रियंका ने रायबरेली सीट पर चुनाव लड़ रहे अपने भाई राहुल गांधी के समर्थन में कई चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले 10 वर्षों में जनता के लिए कुछ नहीं किया है और मतदाताओं का ध्यान भटकाने के लिए वह अपने चुनाव प्रचार में धर्म को ला रही है। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी पिछले 10 वर्षों से वाराणसी से सांसद हैं। उन्होंने वहां किसी भी गांव का दौरा नहीं किया है या किसी किसान से नहीं पूछा है कि वह कैसा है। कांग्रेस नेता ने निजीकरण को लेकर प्रधानमंत्री पर हमला बोला। वाद्रा ने कहा, निजीकरण अपने आप में बुरा नहीं है, लेकिन अगर प्रधानमंत्री देश की पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों को दे देते हैं, तो यह सही नहीं है। वाद्रा ने आरोप लगाया कि आज देश का कोयला, बिजली, बंदरगाह, हवाई अड्डे सब प्रधानमंत्री के मित्रों के हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और इंदिरा गांधी का नाम लेते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री होने के बावजूद उन्होंने गांवों का दौरा किया और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जाना। वाद्रा ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री बड़े-बड़े आयोजन करते हैं जहां आपको कई बड़े पूंजीपति दिखेंगे लेकिन एक भी गरीब आदमी नहीं मिलेगा। कांग्रेस महासचिव ने देश भर में राहुल गांधी की दो यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनके भाई ने लोगों की समस्याओं को समझने के लिए 4,000 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। वाद्रा ने कहा, अपनी यात्रा के बाद मेरे भाई ने एक घोषणापत्र बनाने का फैसला किया, जो महंगाई और बेरोजगारी को हल कर सके क्योंकि ये ही जनता की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा, मोदी कहते हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वे आपका मंगलसूत्र चुरा लेंगे, आपकी भैंस छीन लेंगे। जनता इस पर हंस रही है।

## जल जीवन मिशन विफल, पश्चिम बंगाल में भाजपा की 'वॉशिंग मशीन' सक्रिय : रमेश

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पश्चिम बंगाल में चार चुनावी रैलियों को संबोधित करने के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को सवाल उठाया कि हुगली में 40 प्रतिशत घरों में 'जल जीवन मिशन' क्यों विफल रहा? उन्होंने दावा किया कि चुनाव से पहले राज्य में भाजपा की 'वॉशिंग मशीन' सक्रिय है।

कांग्रेस महासचिव रमेश ने एक पोस्ट में गंगा की सफाई पर सवाल उठाए और केंद्र सरकार पर 7,000 करोड़ रुपये की राशन निधि रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हुगली में 4,35,311 परिवार नल से जल योजना से वंचित हैं जबकि इस योजना की समयसीमा 2024 निर्धारित है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''हुगली के पास के जिलों में भी भूजल में आर्सेनिक और फ्लोराइड की मात्रा बहुत अधिक है, जो गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है। मोदी सरकार हुगली के लोगों की दुर्दशा को नजरअंदाज क्यों कर रही है?'' उन्होंने सवाल किया कि 15,000 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी गंगा साफ क्यों नहीं हुई?

## कांग्रेस जाति जनगणना के जरिये देश का 'एक्स-रे' करेगी: राहुल

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी जाति आधारित जनगणना के जरिये देश का 'एक्स-रे' करेगी। उन्होंने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उसे टेम्पो वाले अरबपतियों से मिले 'नोटों को गिन' रही है तब उनकी पार्टी समानता सुनिश्चित करने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मोदी की उन टिप्पिणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे जिनमें कहा गया है कि कांग्रेस को अडाणी और अंबानी से टेम्पो में भरकर नकदी प्राप्त हो रही है। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वे पिछले 10 सालों से 'टेम्पो वाले अरबपतियों' से मिले 'नोट गिन' रहे हैं। हम 'जाति आधारित जनगणना' के माध्यम से देश का 'एक्स-रे' करेंगे और हर वर्ग के लिए समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करेंगे।''

## संदेशखालि के बारे में प्रधानमंत्री लगातार झूठ बोल रहे हैं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमदंगा (पश्चिम बंगाल)/भाषा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संदेशखालि के बारे में लगातार ''झूठ फैलाने'' का आरोप लगाते हुए रविवार को सवाल किया कि वह राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं और उनसे इस्तीफा देने के लिए क्यों नहीं कहा जा रहा है।

उत्तर 24 परगना के अमदंगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री को शर्म आनी चाहिए कि संदेशखालि के बारे में ''भाजपा की साजिश'' उजागर हो गई है। अमदंगा बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। बनर्जी ने एक वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री अभी भी संदेशखालि के बारे में झूठ बोल रहे हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए क्योंकि भाजपा की साजिश अब उजागर हो गई है।'' वीडियो में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता कथित तौर पर यह कहते दिखते हैं कि 70 से अधिक महिलाओं को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए 2,000 रुपये मिले थे। शेख पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप है। इससे पूर्व, एक वीडियो क्लिप में भाजपा के संदेशखालि मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल से मिलते-जुलते एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना गया था कि विरोध प्रदर्शन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के इशारे पर किया गया था, जो ''पूरी साजिश'' के लिए जिम्मेदार हैं।

# दीक्षा ने महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय ट्रैक एथलीट के एम दीक्षा ने लॉस एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे।

दीक्षा ने शनिवार को आयोजित प्रतियोगिता में 4 मिनट 4.78 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने हरमिलन बैंस का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2021 में वारंगल में राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4 मिनट 5.39 सेकंड के समय के साथ रिकॉर्ड बनाया था। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाली दीक्षा का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 मिनट 6.07 सेकंड था जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में हासिल किया था। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारूल चौधरी 15 मिनट 10.69 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही जबकि अंकिता ने इसी स्पर्धा में 15 मिनट 28.88 सेकंड का समय लेकर दसवां स्थान हासिल किया। साबले ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 13 मिनट 20.37 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने 13 मिनट 31.95 सेकंड में दौड़ पूरी की। साबले का 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13 मिनट 19.30 सेकंड है। कार्तिक कुमार ने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 28 मिनट 7.66 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

## पेरिस ओलंपिक के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रहना चाहते हैं: सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/भाषा।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में सभी मैच गंवाने के बावजूद उनकी टीम उन क्षेत्रों की पहचान करने में सफल रही जिनमें सुधार की जरूरत है तथा वह प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भाग लेने के लिए तैयार है।

तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम को पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के दौरे में सभी पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा था जिससे इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उसकी तैयारी पर सवाल उठने लगे थे। लेकिन कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने काफी कड़ी मेहनत की है और टीम का मनोबल काफी ऊंचा है।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार हरमनप्रीत ने कहा,''हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और अभी इसके अंतिम चरण में है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे के बाद टीम ने उन क्षेत्रों पर काम किया जिनमें उसे लगा कि सुधार करने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा,''हम जल्द ही प्रो लीग के कुछ महत्वपूर्ण मैच खेलने के लिए यूरोप जाएंगे जहां हमारा सामना अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन जैसी मजबूत टीमों से होगा।'' हरमनप्रीत ने कहा,''टीम का आपसी तालमेल लगातार बढ़ रहा है तथा अब जबकि पेरिस ओलंपिक के लिए 75 दिन ही बचे हुए हैं तब हम अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रहने पर काम कर रहे हैं।'' भारत अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। पूल बी में अन्य टीमें बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और आयरलैंड हैं। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान फ्रांस शामिल हैं।

### सुविचार

**संबंध जोड़ना एक कला है, लेकिन सम्बन्ध को निभाना एक साधना है, जिंदगी में हम कितने सही और कितने गलत हैं, ये सिर्फ दो ही जानते हैं, ईश्वरऔर अपनी अंतरआत्मा और हैरानी की बात है कि दोनों नजर नहीं आते।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# कुदरत का इन्साफ

पीओके में तेजी से बिगड़ रहे हालात को देखकर यही कहा जा सकता है– 'वक़्त करता है परवरिश बरसों, हादसा एकदम नहीं होता।' पाकिस्तान ने इस इलाके पर अवैध कब्जा तो किया, लेकिन वह लोगों को रोटी नहीं दे सका। उसने जिस तरह संसाधनों की लूट मचाई, उससे लोगों के सब्र का बांध टूट रहा है। पाक फौज सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने की चाहे जितनी कोशिशें कर ले, लेकिन अब बात सबके सामने आ गई है। कहने को तो यही कहा जा रहा है कि 'प्रदर्शनकारियों से हुईं झड़पों में एक–दो लोगों ने जान गंवाई है, कुछ लोग घायल हुए हैं और हालात काबू में हैं', लेकिन जिस स्तर पर भिड़ंत हुई है, उससे ये दावे फर्जी ही लगते हैं। जनता आटा चाहती है, लेकिन पाक फौज गोलियां बरसा रही है। पाकिस्तान के साथ कुदरत ने क्या खूब इन्साफ किया है, कश्मीर मांगते–मांगते आटा मांगने की नौबत आ गई! अगर उसने 'कश्मीर राग' अलापना बंद नहीं किया और आतंकवाद से तौबा नहीं की तो उसका विखंडन भी हो सकता है। अतीत में पाक ने फर्जी खबरें फैलाकर भारत के खिलाफ खूब दुष्प्रचार किया था। वह कश्मीर घाटी में लोगों को उकसाता था। वह खुद को इस तरह पेश करता था, गोया 'पीओके में चवन्नी लीटर दूध, रुपया पसेरी घी, ढाई रुपए तोला सोना है ... रोटियां तो मुफ्त मिलती हैं ... लोगों के दिलों में कोई लालच नहीं है ... हर कोई बड़े सुकून में है ... और पाक फौज के जवान ... उनकी तो कुछ न पूछिए ... वे चौबीसों घंटे हाथों में फूलों के बड़े–बड़े हार लिए खड़े होते हैं कि कब हमारा कोई प्यारा भाई इधर आए और यह हार उसके गले में डालें!' इस दुष्प्रचार के कारण जम्मू–कश्मीर से कई लोग पीओके चले भी गए थे। वहां पाक फौज लोगों को फूलों के हार तो नहीं पहना रही, अलबत्ता लट्ठ खूब बरसा रही है! घी–दूध तो भूल ही जाइए। आटे के भी लाले पड़े हैं!

पाकिस्तान में आटे का ऐसा गंभीर संकट कम से कम दो वर्षों से जारी है। महंगाई आसमान छू रही है। दाल, सब्जियों, फलों, दवाइयों आदि की कीमतों में बेतहाशा इजाफा हुआ है। आटे के लिए लंबी–लंबी कतारें लगी हुई हैं। लोगों को ज्यादा दाम चुकाने पर भी आटा नहीं मिल रहा है। इसलिए वे अपना गुस्सा फौज और पुलिस पर उतार रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर अपने वातानुकूलित कक्षों में बैठकर अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कर्ज लेने की तरकीब लगा रहे हैं, ताकि अपने बैंक–बैलेंस में एक जीरो और बढ़ा सकें। अब पीओके में हिंसा भड़कने से उन्हें कुछ फिक्र जरूर हुई है। अगर जल्द कोई राहत नहीं दी तो पीओके की आग जीएचक्यू (सेना मुख्यालय) तक पहुंच जाएगी। उसकी चपेट में इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, पेशावर, क्वेटा ... सब आएंगे। पाक फौज का इतिहास जुल्म और ज्यादती करने की घटनाओं से भरा हुआ है, लेकिन पांच करोड़ लोग भी सड़कों पर उतर आए तो सबकी सिट्टी–पिट्टी गुम हो जाएगी। पाक फौज के अधिकारियों ने पीओके और बलोचिस्तान में लूटमार से खूब दौलत कमाई है। ये दोनों इलाके प्राकृतिक संसाधनों से मालामाल हैं, लेकिन उनका फायदा स्थानीय लोगों को नहीं मिल रहा है। पीओके में जल–विद्युत का उत्पादन किया जाता है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों के लिए बिजली बहुत महंगी है। बलोचिस्तान में गैस के भंडार हैं। उनका फायदा अन्य राज्यों के बड़े शहरों को मिल रहा है, लेकिन आम बलोच लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने को मजबूर है। पाक फौज ने बलोचिस्तान को तस्करी का अड्डा बना रखा है। वहां से रोजाना सैकड़ों वाहन ईरान जाकर पेट्रोल–डीजल लाते हैं। चूंकि अमेरिका ने ईरान पर कई प्रतिबंध लगा रखे हैं, इसलिए तेल की यह खरीद चोरी–छिपे होती है। जो भी वाहन इस सिलसिले में ईरान जाता है, उससे फौज मोटी रकम रिश्वत में लेती है। इस तरह हर महीने करोड़ों रुपए की 'ऊपरी आमदनी' होती है, जो आतंकवाद का प्रसार करने से लेकर दुबई, लंदन, न्यूयॉर्क आदि में संपत्तियां खरीदने के काम आती है। जिस दिन पूरे पाकिस्तान में जनता अपना हक मांगने के लिए सड़कों पर उतरेगी, सरकार और फौज के बड़े–बड़े चेहरे पहली फ्लाइट पकड़कर इन्हीं शहरों में नजर आएंगे।

## ट्वीटर टॉक

आज अमेठी में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के राष्ट्रीय समन्वयक प्रोफेसर श्री सतीश राय जी व अन्य विद्वत जन से भेंट हुई। इस दौरान कांग्रेस विधानमंडल की नेता आराधना मिश्रा मोना जी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रदीप सिंघल व अन्य कांग्रेस जन मौजूद रहे।

**–अशोक गहलोत**

मणिशंकर अय्यर और फारुक अब्दुल्ला कहते हैं कि पाकिस्तान का सम्मान करो, क्योंकि इनके पास एटम बम है पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर मत मांगिए। अरे राहुल बाबा, आपको एटम बम से डरना है तो डरिए, हम नहीं डरते... पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर भारत का है और वो हम लेकर रहेंगे।

**–अमित शाह**

राष्ट्रीय नर्स दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! समर्पित सेवा भावना, अनुशासित कार्यशैली व करुणा के साथ लोगों का जीवन बचाने में महनीय योगदान दे रहीं नर्सों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का आज विशेष दिन है। आपकी कर्तव्य निष्ठा व प्रतिबद्धता अनुकरणीय है।

**–वसुंधरा राजे**

### प्रेरक प्रसंग

# प्रसन्न रहने की कला

संत तुलसीदास सदा प्रसन्न रहते थे। कुछ चोरों को यह बात अजीब लगती थी। चोरों ने यह सोचकर कि संत तुलसीदास के पास अपार धन होगा, उनका अपहरण कर लिया। वे संत को जंगल में ले गए और उनसे पूछा कि तुम्हारे पास कितना धन है जिसके कारण इतने प्रसन्न रहते हो? संत तुलसीदास ने एक–एक कर हर चोर को अलग–अलग बुलाया और कहा, मेरे पास सुखदा मणि है, मगर मैंने उसे तुम चोरों के डर से जमीन में गाड़ दिया है। यहां से कुछ ही दूरी पर वह स्थान है। अपनी खोपड़ी के नीचे चंद्रमा की छाया में खोदना, शायद मिल जाए। यह कहकर संत तुलसीदास एक पेड़ के नीचे सो गए। सभी चोर अलग–अलग दिशा में जाकर खोदने लगे। जरा–सा उठते–चलते तो छाया भी हिल जाती और उन्हें जहां–तहां खुदाई करनी पड़ती। रात भर में सैकड़ों छोटे–बड़े गड्ढे बन गए, पर कहीं भी मणि का पता नहीं चला। चोर हताश हो गये। अंत में संत तुलसीदास हंस कर बोले, मूर्खो मेरे कहने का अर्थ समझो। खोपड़ी तले मणि छिपी है अर्थात उसमें श्रेष्ठ विचारों के कारण मनुष्य प्रसन्न रह सकता है। तुम भी अपना दृष्टिकोण बदलो और जीना सीखो।

### सामयिक

# चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

**सुरेश हिंदुस्थानी**
मोबाइल : 9770015780

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं।

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा।

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया।

इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फ़जीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं। इसी कारण कांग्रेस का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह अविश्वसनीयता के घेरे में समाता जा रहा है। यह स्थिति जहां एक ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति अनास्था की धारणा को जन्म देने वाला कहा जा सकता है, वहीं यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। यह बात सही है कि झूठ के सहारे आम जनता को भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन जब सत्य सामने आता है, तब उसकी कलई खुल जाती है। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का असफल प्रयास करते हैं। ऐसे प्रयासों से भले ही यह भ्रम पाल ले कि उसने केन्द्र सरकार को घेर लिया, लेकिन वास्तविकता यही है कि इसके भंवर में वह स्वयं ही फंसी नजर आती है।

कांग्रेस अपनी कमियों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं। इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए।

### विशेष

# भारतीय संस्कृति का सत्व

**डॉ रामेश्वर मिश्र**
8765595416

आज वर्तमान में युवाओं की भारतीय संस्कृति में निहित मानवीय मूल्य पर केंद्रित संस्कारों से अनभिज्ञता राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए कड़ी चुनौती है। इस अपरिपक्व ज्ञान और विचारधारा का उन्नयन एक सोची समझी विचारधारा का द्योतक है, इन्हीं नापाक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एवं समाज को समाज से तोड़ने के लिए अनेक भ्रामक विचारों का निष्पादन किया जाता है। इस दौर में तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद एवं नकल आधारित जीवन जीने की होड़ ने समाज की रीढ़ कहे जाने वाले युवा पीढ़ी और सामाजिक संस्कृति की गतिशीलता के लिए उत्तरदायी नारी शक्ति को भारतीय संस्कृति के सत्व को पहचानना होगा। सोशल मीडिया के इस युग में समाज और राष्ट्र को कमजोर करने के लिए कभी जाति के आधार पर तो कभी उत्तर–दक्षिण का भेद–भाव फैलाकर तो कभी पूर्वोत्तर में हिंसा फैला कर भारतीय राष्ट्र को कमजोर करने की कोशिश की जाती है और जब इन सब नापाक हरकतों से काम नहीं बनता है तब हिन्दू–मुस्लिम वाद और भारतीय संस्कृति के लिए भ्रामक जानकारी फैला कर राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। भारतीय संस्कृति में निहित त्याग, परोपकार, समरसता, दया, करुणा, मैत्री, सहानुभूति, सहिष्णुता, सहृदयता, सहयोग, समन्वय एवं सत्कर्मों आदि ऐसे मानवीय मूल्यों हैं जो भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को विश्व पटल पर स्थापित करते हैं। भारतीय संस्कृति कभी भी ऊंच–नीच, अगडा–पछडा या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं करती है। भारतीय संस्कृति में सम्पूर्ण मानव मात्र के कल्याण का भाव निहित है। उपनिषद में निहित अद्वैतवाद मानव मात्र मे ही नहीं वरन प्राणी मात्र में एक ही तत्व के दर्शन कराता है। भारतीय संस्कृति की महत्ता एवं उसकी विशालता तो उसके सम्पूर्ण मानव से तादात्म्य स्थापित करने मे निहित है जिसका मूल वसुधैव कुटुम्बकम की पवित्र भावना है। भारतीय संस्कृति में सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। इतने ऊंचे आदर्शों वाली भारतीय संस्कृति के लिए भ्रामक विचारों का उन्नयन अल्प ज्ञान का प्रदर्शन मात्र है। मन की समता, समरसता, त्याग और करुणा के भाव, भारतीय संस्कृति में निहित उच्च मानवीय आदर्श है। 20 नवम्बर 1988 को भारत–चीन मैत्री संघ के तत्कालीन अध्यक्ष ठाकुर सेन नेगी ने कहा था कि भारतीय संस्कृति की पवित्रता गंगा नदी की सुगम्य धारा में निहित है जिसमें मिलकर सम्पूर्ण जल प्रवाह गंगा की जल धारा ही बन जाती है, भारतीय संस्कृति के पवित्र आदर्श इन्हीं मूल आदर्शों पर आधारित है। भारतीय संस्कृति में परोपकार की भावना निहित है जिसका तादात्म्य व्यास जी के वचनों से स्थापित होता है जो परोपकार का भाव लिए हुए है, 'अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनदयम, परोपकार: पुण्याय पापाय परपीडनम' के श्रेष्ठ आदर्शों वाली संस्कृति को आधात पहुंचाने के लिए आर्य एवं अनार्य की भ्रामक विचारधारा कार्य कर रही है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता को प्रभावित करने के लिए पंजाब में खालीस्तानी, पूर्वोत्तर में माओवादी आदि संगठनों द्वारा भारतीय संस्कृति और समाजिक संरचना को प्रभावित करने के लिए भ्रामक जानकारी आज युवा पीढ़ी को दी जा रही है, राजनीति के नापाक विचारों से देश और समाज आहत हुआ है, भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़कर हमें समाज एवं राष्ट्र दोनों को सशक्त बनाना है। संस्कृति बोध से व्यक्ति हजारों हजार साल से परम्पराओं के जरिये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जुड़ता आ रहा है। भारतीय संस्कृति के सत्व को पहचानने के लिए हमें विवेकानन्द जी, गांधी जी, धरमपाल जी के विचारों के चिन्तन को समझना चाहिए। गांधी जी भारतीय संस्कृति के सत्व को पहचानते थे और अपने सपनों के भारत में देशवासियों के अटूट प्रेम और राष्ट्र की एकता पर बल देते हुए देशज संस्कृति से जुड़ने की बात की है। गांधी जी के इन्हीं विचारों को लेकर धर्मपाल जी ने कार्य किया है और साक्ष्यों एवं प्रमाणों के आधार पर यह साबित किया कि ब्रिटिश शासन ने भारत की शिक्षा पद्धति का अपहरण करते हुए भारतीय संस्कृति का अपहरण किया, इसका एक उदहारण देते हुए धर्मपाल जी लिखते हैं कि 1830 में ब्रिटिश गवर्नर जर्नल बेंटिक ने इस बात पर संतोष व्यक्त करते हुए कहते हैं कि–सम्पन्न और प्रतिष्ठित भारतीय अब पश्चिमी शिष्टाचार तथा व्यवहार की विधियां अपनाने लगे हैं और भिक्षुकों, सन्यासियों और ब्राह्मणों को दान देना छोड़ रहे हैं। अब उसकी जगह वह धन यूरोपियों का आडम्बर पूर्ण ढ़ंग से मनोरंजन करने में लगाया जाने लगा है।' रमणीय वृक्ष' में धर्मपाल जी भारतीय शिक्षा प्रणाली में आये परिवर्तनों के कारणों को बताते हुए लिखते हैं कि–भारतीय भाषाओं में पढ़ाई में कमी का मुख्य कारण पूरे देश में चलाई जा रही ब्रिटिश नीति ही होगी।

भारतीय संस्कृति का बोध यह है कि राष्ट्र एवं विश्व के समस्त प्राणियों के बीच प्रेम और एकता का भाव हो जिसके फलस्वरूप विश्व कल्याण की कामना को मूर्त किया जा सके। भारतीय संस्कृति में निहित समर्पण और शान्ति की कामना से विश्व में शान्ति स्थापित की जा सकती है। इन मालवीय मूल्यों से निहित मंगल कामना से समूल राष्ट्र और विश्व को एकता के सूत्र में पिरोया जा सकता है। भारतीय संस्कृति के मूल 'ॐ द्यौ: शांति' के मंत्र है, जो कि यजुर्वेद से लिया गया है, इस मंत्र में परमपिता से विश्व कल्याण और शान्ति के लिए प्रार्थना की गयी है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की संस्कृति है परन्तु इन सब विविधताओं को जो एक साथ जोड़ता है वह संस्कृति के मूल में निहित शान्ति और विश्व के कण–कण की शान्ति की कामना है। भारत में रहने वाले समूल निवासी उसी परम्परा के वाहक है जो मिश्रित रूप से राष्ट्र कल्याण का भाव रखते हैं।

### नजरिया

# मीडिया के बयानवीर

**बाल मुकुन्द ओझा**
मोबाइल : 9414441218

पहले सैम पित्रोदा और फिर मणिशंकर अय्यर ने विवादित बयान देकर चुनाव के मैदान में अपनी ही पार्टी (कांग्रेस पार्टी) की फजीहत करा दी हैं। कांग्रेस के इन बयानवीरों ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है, जिससे कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। राजनीति में शुचिता की दुहाई देने वाले नेता खुद बयानवीर होकर पहले अपनी पार्टी और फिर देश का बेड़ा गर्क करने की होड़ में जुट गए है। जनता ने इनमें से बहुत से नेताओं को चुनावी पटखनी देकर इनकी औकात बता दी तो कुछ की चुनावी बेतरणी पार लगाकर गले लगा लिया। देश को अमूमन हर साल कोई न कोई चुनाव का सामना करना ही पड़ता है । जैसे ही चुनाव आते है नेताओं के बांछे खिल जाती है । गंदे बोलों से चुनावी बिसात बिछ जाती है। पिछले दो दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जा रहे है। नेताओं के बयानों से गाहे बगाहे राजनीति की मर्यादाएं भंग होती रहती है। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग जाती है। राजनीति में बयानबाजी का स्तर इस तरह नीचे गिरता जा रहा है उसे देखकर लगता है हमारा लोकतंत्र तार तार हो रहा है। देश में दिग्विजय सिंह, संजय राउत, लालू यादव जैसे दर्जनों नेता है जो गाहे बगाहे अमर्यादित बयान देकर सुर्ख़ियों में बने रहते है। ये नेता मोदी पर विवादित बयान देने के लिए कुख्यात है। कभी मोदी को मौत का सौदागर

बताते है तो कभी जमीन में गाड़ देने की धमकी देते है।

बयानवीरों पर मोदी के बयान से देश की सियासत एक बार फिर गरमा गयी है। लोकसभा चुनाव में बयानवीरों के विवादित बयानों ने देश को शर्मसार कर दिया था। इन दिनों आपत्तिजनक और विवादित बयानों को लेकर हंगामा मचा हुआ है। सियासत में विवादास्पद बयान को नेता भले अपने पॉपुलर होने का जरिया मानें, लेकिन ऐसे बयान राजनीति की स्वस्थ परंपरा के लिए ठीक नहीं होते। यह बेहद दुखद है कि पिछले कुछ सालों से भारत में राजनीतिक–वैचारिक पतन तो हुआ ही है, साथ ही राजनीति की भाषा स्तरहीन और गंदी हो गई है। हमारे माननीय नेता आजकल अक्सर ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। देश के नामी–गिरामी नेता और मंत्री भी मौके–बेमौके कुछ न कुछ ऐसा बोल ही देते हैं, जिसे सुनकर कान बंद करने का जी करता है। जो किसी भी हालत में लोकतान्त्रिक और सभ्य समाज के अनुकूल नहीं कही जा सकती। चुनावी सीजन में किसी नेता को चोर, लुटेरा तथा बलात्कारी बताया जा रहा था तो किसी को गधा, कुत्ता, तड़ीपार और गेंडा बताया गया।

कहते है राजनीति के हमाम में सब नंगे है। यहाँ तक तो ठीक है मगर यह नंगापन हमाम से निकलकर बाजार में आजाये तो फिर भगवान ही मालिक है। सियासत में विवादास्पद बयान को नेता भले अपने पॉपुलर होने का जरिया मानें, लेकिन ऐसे बयान राजनीति की स्वस्थ परंपरा के लिए ठीक नहीं होते। हमारे माननीय नेता आजकल अक्सर ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। देश के नामी–गिरामी नेता और मंत्री भी मौके–बेमौके कुछ न कुछ ऐसा बोल ही देते हैं, जिसे सुनकर कान बंद करने का जी करता है।

राजनीति में पिछले एक दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जारहे है। चुनाव के बाद बयानवीरों की नयी खेफ सामने आयी वहीँ कुछ पुराने भी हाथ साफ करने से बाज नहीं आ रहे है। विवादित बयान देने में कांग्रेस और भाजपा सहित कोई भी नेता पीछे नहीं है। सब एक दूसरे पर अटैक कर उसको भी अपनी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग गई है। राजनीति में बयानबाजी का स्तर इस तरह नीचे गिरता जा रहा है उसे देखकर लगता है हमारा लोकतंत्र तार तार हो रहा है। देश में कई नेता अपने विवादित बयानों के लिए सुर्ख़ियों में रहे है। इनकी लम्बी सूची है। इनमें राहुल गाँधी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, मणिशंकर अय्यर, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, दिग्गी राजा, अखिलेश यादव, कपिल सिब्बल ,मणिशंकर अय्यर, केजरीवाल,असदुद्दीन ओवैसी, मायावती, ममता और शिवसेना ठाकरे गुट के नेता आदि प्रमुख है जिनके बयानों से गाहे बगाहे राजनीति की मर्यादाएं भंग होती रहती है। ये बयानवीर मीडिया में सुरखी पाने के लिए न्यूज चैनलों के कैमरे देखते ही बहकने लगते है। आग में घी डालने में खबरिया चैनल की भूमिका भी कम जिम्मेदार नहीं है। खबरिया चैनल बयानवीरों के विवादित बोल दिखाने बंद करदे तो आधी समस्या तो स्वतः ही निपट जाएगी।

> **राजनीति में पिछले एक दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जारहे है। चुनाव के बाद बयानवीरों की नयी खेफ सामने आयी वहीं कुछ पुराने भी हाथ साफ करने से बाज नहीं आ रहे है। विवादित बयान देने में कांग्रेस और भाजपा सहित कोई भी नेता पीछे नहीं है। सब एक दूसरे पर अटैक कर उसको भी अपनी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग गई है।**

**महत्त्वपूर्ण**
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# अमेरिकाः कॉलेज और विश्वविद्यालयों में छात्रों ने फलस्तीन के समर्थन में किया प्रदर्शन

वाशिंगटन। अमेरिका के नार्थ कैरोलिना से लेकर कैलिफोर्निया तक स्थित कॉलेज और विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों द्वारा फलस्तीन के समर्थन में विरोध-प्रदर्शन किये जाने की छिटपुट घटनाएं समाने आयीं। वहीं, वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में गवर्नर ग्लेन यंगकिन के संबोधन के दौरान सैकड़ों स्नातक छात्र बाहर चले गये। अमेरिका के डब्ल्यूआरआईसी टीवी चैनल के मुताबिक, रिपब्लिकन गवर्नर के भाषण के दौरान अनुमानित 100 छात्र उठकर बाहर चले गए और उनमें से कुछ छात्रों और उनके परिजनों ने फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किया तो कुछ ने यंगकिन की शिक्षा नीतियों की आलोचना की।

विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के कैंप रान्डेल स्टेडियम में आयोजित दीक्षांत समारोह में कुछ फलस्तीन समर्थकों ने एक मौन विरोध प्रदर्शन किया। समाचार पत्र 'विस्कॉन्सिन स्टेट जर्नल' द्वारा प्रकाशित एक तस्वीर में छह व्यक्ति स्टेडियम के पिछले हिस्से से बाहर आते दिख रहे हैं जिनमें से दो के हाथ में फलस्तीनी झंडा नजर आ रहा है। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब फलस्तीन समर्थक छात्रों ने गत शुक्रवार को पिछले दो सप्ताह से विश्वविद्यालय परिसर में जारी प्रदर्शन समाप्त करने पर सहमति जतायी थी और कहा था कि वे दीक्षांत समारोह में किसी प्रकार की बाधा नहीं डालेंगे।

विश्वविद्यालय गाजा और यूक्रेन में युद्धों से प्रभावित छात्रों को समर्थन देने के लिए सहमत हुआ था। खबरों के मुताबिक, चैपल हिल स्थित नॉर्थ कैरोलिना विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने दीक्षांत समारोह शुरू होने से पहले एक इमारत की सीढ़ियों पर लाल पेंट बिखेर दिया और परिसर में नारे लगाए। टेक्सास विश्वविद्यालय में एक छात्र ने दीक्षांत समारोह शुरू होने से पहले मंच पर हाथ में फलस्तीनी झंडा लेकर विरोध-प्रदर्शन किया।

## जनसभा

बंजार विधानसभा के ठेला और सैंज में रविवार को जनसंपर्क यात्रा के दौरान भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत ने जनसभाओं को संबोधित किया।

# पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे (पीओके) वाले कश्मीर में गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। मीडिया में आयी खबरों में रविवार को यह जानकारी दी गयी। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विवादित क्षेत्र में शनिवार को पुलिस एवं अधिकार आंदोलन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं और पूरे इलाके में चक्का जाम कर दिया गया और दूकानें बंद रखी गयी ।

मीरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कामरान अली ने डॉन डॉट कॉम को बताया कि पुलिस उप निरीक्षक अदनान कुरैशी की इस्लामगढ़ शहर में सीने में गोली लगने से मौत हो गयी। कुरैशी वहां अन्य पुलिसकर्मियों के साथ कोटली और पुंछ जिला होते हुए मुजफ्फराबाद जा रही एक रैली को रोकने के लिए तैनात थे।

उन्होंने बताया कि यह रैली जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बैनर तले निकाली गयी थी। शुक्रवार को हड़ताल के बीच पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद के अलग-अलग इलाकों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि मुजफ्फराबाद एवं पुंछ संभाग पूरी तरह बंद रहा । स्थानीय सरकार ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिसकर्मियों को बुलाया है।

बेग ने कहा कि कम से कम एक पुलिस अधिकारी और एक युवा लड़का घायल हो गए क्योंकि प्रदर्शनकारियों द्वारा पथराव करने और बोतलें फेंके जाने के बाद पुलिस ने कुछ इलाकों में आंसू गैस के गोले छोड़े और हवाई फायरिंग की। मीर मुहम्मद आबिद ने कहा कि जिले में विरोध की आड़ में उपद्रवियों के हमलों में कम से कम 78 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

# ओटीटी पर आते ही विवादों में घिरी 'आवेशम'

मुंबई/एजेन्सी

फहाद फाजिल 'पुष्पा' और 'विक्रम' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके हैं। फहाद एक बार फिर से अपनी फिल्म 'आवेशम' को लेकर चर्चा में हैं। थिएटर में धूम मचाने के बाद ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होते ही विवाद छिड़ गया है। फिल्म के एक सीन को लेकर ये पूरा बवाल मच रहा है। लोगों का कहना है कि इस फिल्म में हिंदी भाषा का अपमान किया गया है। 'आवेशम' कॉलेज लाइफ और गुंडागर्दी के खिलाफ एक्शन हीरो की बुलंद आवाज की कहानी है। फिल्म में एक जगह लड़ाई का सीन दिखाया गया है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर खूब बवाल मच रहा है । इस सीन में, रंगा (फहाद फाजिल) को कॉलेज में लोगों को धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। रंगा पहले मलयालम, फिर कन्नड़, उसके बाद हिंदी में धमकी देते हैं।

उसका साथी अंबान (साजिन गोपू) उसके पास आता है और उसे रुकने के लिए कहता है। वो कहता है, 'सभी को मैसेज मिल गया है। अब चलो चलें।' रंगा पूछता है, 'हिंदी की जरूरत नहीं?' अंबान ने जवाब दिया, 'कोई ज़रूरत नहीं'। 30 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। अगर आपने थिएटर में जाके ये फिल्म नहीं देखी तो अब आप घर बैठे ये फिल्म देख सकते हैं। ये वेब सीरीज 9 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज हो गई है।

# नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने 29वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई कर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने रविवार को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर 29वीं बार चढ़ाई की। इस तरह उन्होंने एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार चढ़ने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय में पर्यटन विभाग के निदेशक राकेश गुरुंग के अनुसार, अनुभवी पर्वतारोही शेरपा (54) रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजकर 25 मिनट पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर पहुंचे थे।

नेपाल के 'सेवन समिट ट्रेक्स' के एक वरिष्ठ अधिकारी थानी गुरगैन ने बताया कि सेवन समिट ट्रेक्स ने इस पर्वतारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया था और इसमें 20 पर्वातारोही शामिल हुए थे। उन्होंने रविवार की सुबह एवरेस्ट फतह किया। 'सेवन समिट ट्रेक्स' ने एक बयान जारी कर बताया, ''कामी सहित सेवन समिट ट्रेक्स के कम से कम 20 पर्वतारोहियों ने रविवार सुबह माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की।'' पर्वतारोही दल में नेपाल के 13 पर्वतारोहियों के अलावा शेष अमेरिका, कनाडा और कजाकिस्तान से थे।

कामी ने 1994 में पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। पिछले साल उन्होंने एक ही सीजन में 27वीं और 28वीं बार एवरेस्ट फतह किया था और इस तरह वह एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले शख्स बन गये थे। 'रिपब्लिका' समाचार पत्र के अनुसार, पिछले साल सोलुखुम्बु के पसंद दावा शेरपा ने 27वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी, लेकिन इस सीजन में उन्होंने चढ़ाई करने के बारे में अभी फैसला नहीं किया है। 'सेवन समिट ट्रेक्स' के वरिष्ठ पर्वतीय गाइड कामी का जन्म 17 जनवरी 1970 को हुआ था। कामी ने सबसे पहले 1992 में माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की थी। तब वह एक सहायक कर्मचारी के रूप में शामिल हुए थे। कामी ने तब से निडर होकर कई पर्वतों की चढ़ाई की, जिनमें माउंट के2, चो ओयु, ल्होत्से और मनास्लु शामिल है।

इस बीच, एक प्रसिद्ध ब्रिटिश पर्वतारोही ने 18वीं बार दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर चढ़ाई की। इस तरह उन्होंने किसी भी विदेशी पर्वतारोही द्वारा सबसे अधिक माउंट एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। 'द हिमालयन टाइम्स' की खबर के अनुसार, दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के ग्लॉस्टरशायर के केंटन कूल ने माउंट एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार चढ़ने का अपना ब्रिटिश रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

## पूजा अर्चना

उत्तराखंड के लेफ्टिनेंट. चारधाम यात्रा के लिए बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खोलने के शुभ अवसर पर रविवार को बद्रीनाथ में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भगवान बद्री विशाल की पूजा-अर्चना की।

# आमिर खान को 'सरफरोश' में पाक, आईएसआई का जिक्र करने के चलते सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने पर था संशय

मुंबई/एजेन्सी

आमिर खान ने कहा है कि फिल्म ''सरफरोश'' की टीम को पाकिस्तान और आईएसआई के संदर्भ के कारण केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म को मंजूरी दिए जाने को लेकर संशय की स्थिति थी। खान और ''सरफरोश'' की टीम ने शुक्रवार रात को प्रतिष्ठित फिल्म की 25वीं वर्षगांठ मनाई। इस दौरान फिल्म प्रदर्शित भी की गई। यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद की कहानी पर आधारित है। जॉन मैथ्यू मैथन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 30 अप्रैल, 1999 को करगिल संघर्ष के समय सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत अधिक तनाव की स्थिति थी। खान ने कहा, ''उन दिनों नियम था कि आप किसी देश का नाम नहीं ले सकते। हम कह सकते थे – 'पड़ोसी देश' या 'मित्र देश'। इसलिए हम जोखिम ले रहे थे और हमें नहीं पता था कि सेंसर बोर्ड फिल्म को मंजूरी देगा या नहीं क्योंकि हमने पाकिस्तान और आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) का नाम लिया था। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।''

अभिनेता ने कहा, ''कुछ इधर-उधर की बातें हो रही थीं, लेकिन हमारा कहना यह था कि अगर (लालकृष्ण) आडवाणी जी संसद में (नाम) बोल सकते हैं, तो हम इसे सिनेमा हॉल में क्यों नहीं कह सकते। सौभाग्य से, फिल्म को बिना किसी बदलाव के अनुमति मिल गई।''

# आसान नहीं था 'हीरामंडी' का फुव्वारे वाला सीन, 12 घंटे तक गंदे पानी में लेटी रहीं कोइराला

मुंबई/एजेन्सी

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज 'हीरामंडी' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस 'हीरामंडी' की लीड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने कैंसर से रिकवरी के बाद इस सीरीज में अपना शूटिंग एक्सपीरियंस बताया है। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे हेक्टिक शेड्यूल की वजह से शुरू में वह थोड़ा संदेह में थीं कि शूटिंग कर पाएंगी या नहीं। साथ ही मनीषा कोइराला ने वो तजुर्बा भी बताया कि कैसे एक शॉट के लिए वो तकरीबन 12 घंटे तक गंदे पानी में लेटी रहीं और फिर भी हार नहीं मानी।

मनीषा कोइराला ने कहा कि हीरामंडी उनके लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि वो बहुत खुश हैं क्योंकि उन्हें लगातार एक ही तरह के किरदार करने से बंधे नहीं रहना पड़ा। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मनीषा कोइराला ने लिखा, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि कैंसर और 50 साल की होने के बाद, मेरी जिंदगी का एक नया चरण शुरू होगा। आज जब मुझे इतनी तारीफें मिल रही हैं तो मैं उन फिक्रों के बारे में सोचने से खुद को नहीं रोक पा रही हूं जिन्होंने तब मुझे बहुत परेशान किया।

मनीषा कोइराला इस पोस्ट में उन फिक्रों की बात कर रही हैं जिनकी वजह से वो दोबारा सिने जगत में कदम रखने को लेकर बहुत परेशान थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें नहीं पता था कि उनका शरीर इतने मुश्किल शूटिंग शेड्यूल और हेवी कॉस्ट्यूम्स का बोझ संभाल सकेगा। मनीषा कोइराला ने एक उदारहण देते हुए लिखा, फाउंटेन सीक्वेंस करना फिजिकली मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। इसके लिए मुझे 12 घंटे तक फुव्वारे के पानी में रहना पड़ा। हालांकि भंसाली ने लगातार इस बात की तसल्ली की थी, कि पानी थोड़ा गुनगुना रहे और साफ हो। लेकिन कुछ घंटों के बाद यह गंदा हो गया था।

मनीषा कोइराला ने कहा कि उनके शरीर का रोम-रोम गंदे पानी में भीग चुका था और हालांकि वह बहुत ज्यादा थकी हुई थीं, लेकिन इसकी वजह से उन्हें बहुत ज्यादा खुशी महसूस हुई। एक्ट्रेस ने कहा कि बावजूद इसके कि वह बहुत ज्यादा तनाव में थीं, उनका शरीर इस सीक्वेंस को पूरा करने पर अड़ा हुआ था। सीरीज में मनीषा कोइराला ने मल्लिका जान का किरदार निभाया है। उनके अलावा सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शेखर सुमन और ऋचा चड्ढा ने इस सीरीज में अहम किरदार निभाए हैं।

# मदर्स डे पर सायरा बानो को आई नसीम बानो की याद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सायरा बानो ने मदर्स डे के अवसर पर अपनी मां नसीम बानो की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। सायरा बानो ने मदर्स डे के अवसर पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपनी मां की तस्वीरें शेयर की है और इसी के साथ एक कैप्शन भी लिखा है। सायरा ने आठ फोटो शेयर की है। सायरा ने कैप्शन में लिखा,मेरी प्यारी मां ने एक खूबसूरत दुनिया में मेरे पूरे अस्तित्व की निगरानी की। अल्लाह ने मुझे जीवन में जो कुछ भी दिया है, मैं उसका ऋणी हूं। हम चार लोगों का परिवार था, मेरी दादी शमशाद अब्दुल वहीद खान, उनकी बहन खुर्शीद बेगम, अप्पाजी और मेरा भाई सुल्तान अहमद। दुर्भाग्य से अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हम एकल अभिभावक परिवार थे।मैं परी चेहरा नसीम बानो जी के बारे में बात कर रही हूं, जो पहली महिला सुपरस्टार हैं, जिन्होंने सोहराब मोदी के ऐतिहासिक पुकार के साथ अपनी प्रशंसा का शानदार सिलसिला शुरू किया था। जहां उन्होंने महारानी नूरजहां का किरदार निभाया था। मुझे दिलीप साहब और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों की याद आती है, जब उनसे सबसे खूबसूरत महिला के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से अप्पाजी का नाम बताया था।

सायरा ने लिखा,16 साल की छोटी उम्र में मेरी मां को परिवार की बागडोर संभालनी पड़ी और यह सिलसिला जीवन भर चलता रहा। उन्होंने हर जगह शानदार काम किया और मुझे और मेरे भाई को लंदन के डे स्कूलों में पढ़ाया और स्कूल खत्म करने के बाद हम मुंबई वापस आ गए और आगे पढ़ाई करने के बजाय फिल्में करना चाहते थे। उन्होंने हमेशा हमारी 'देसी जड़ों' पर जोर दिया। हमने दुनिया भर की यात्रा की लेकिन हमारी छुट्टियों का अधिकांश हिस्सा अपनी परंपराओं के साथ जीने के लिए मुंबई और दिल्ली में बिताया।बाकी इतिहास है और मैं रातोंरात स्टार बन गई क्योंकि लोग नसीम बानो जी की बेटी को देखने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने मेरे लिए ड्रेस डिजाइनिंग में नए रास्ते खोले। उस समय ब्लैक एंड व्हाइट फिल्में थी, जिनमें नायिकाएं किसी भी तरह की पोशाक पहनती थीं, लेकिन ईस्ट मैन कलर और जंगली के आगमन के साथ नसीम जी ने मेरे लिए सुंदर कढ़ाई वाले परिधान डिजाइन किए।नसीम जी ने मेकअप दादा दीनू इंदुलकर की मदद से मेरे मेकअप में क्रांति ला दी।

# कानूनी मुसीबत में फंसी रामायण, बंद होने की उठी सम्भावनाएं

मुंबई/एजेन्सी

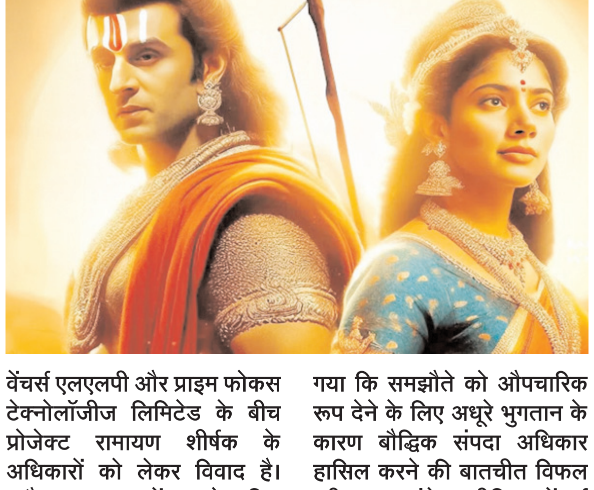

रणबीर कपूर और साई पल्लवी रामायण के लिए एक साथ आएंगे। फिल्म को लेकर हर कोई बेहद उत्साहित है। प्रभास और कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष से बड़ी निराशा के बाद, लोगों को रणबीर की फिल्म से कुछ बेहतर और अच्छे की उम्मीद है। फिल्म में रणबीर भगवान राम का किरदार निभाएंगे और साई पल्लवी देवी सीता के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन नितीश तिवारी ने किया है और शो के कलाकारों को लेकर काफी कुछ कहा जा रहा था। बताया जा रहा था कि केजीएफ स्टार यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। हालाँकि, उन्होंने हाल ही में पुष्टि की है कि वह सह-निर्माता के रूप में रामायण में शामिल होंगे। लेकिन इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि वह रावण का किरदार निभाएंगे या नहीं। फिल्म फ्लोर पर जा चुकी है और हमने सेट से कई तस्वीरें लीक होते भी देखी हैं। फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी के लुक ने प्रशंसकों के बीच उत्साह का स्तर बढ़ा दिया है। लेकिन फिल्म रिलीज होने से पहले ही बौद्धिक संपदा अधिकार पर विवाद के कारण कानूनी मुसीबत में फंस गई है। रिपोर्टों के अनुसार, फिल्म का प्राथमिक प्रोडक्शन हाउस, अल्लू मंटेना मीडिया वेंचर्स एलएलपी प्राइम फोकस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ कानूनी संघर्ष में है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू मंटेना मीडिया वेंचर्स एलएलपी और प्राइम फोकस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के बीच प्रोजेक्ट रामायण शीर्षक के अधिकारों को लेकर विवाद है। अप्रैल 2024 में इसके लिए बातचीत हुई और रिपोर्टों में कहा गया कि समझौते को औपचारिक रूप देने के लिए अधूरे भुगतान के कारण बौद्धिक संपदा अधिकार हासिल करने की बातचीत विफल रही। अल्लू मंटेना मीडिया वेंचर्स एलएलपी ने दावा किया है कि प्रोजेक्ट रामायण के अधिकार अभी भी उनके पास हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्राइम फोकस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड या किसी संबद्ध संस्था द्वारा स्क्रिप्ट या सामग्री का कोई भी उपयोग या शोषण उनके कॉपीराइट का उल्लंघन होगा। उन्होंने आगे दावा किया कि प्रोजेक्ट रामायण सामग्री में प्राइम फोकस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का कोई अधिकार, स्वामित्व या हित नहीं है और उत्पादन कंपनी ने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई करेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि निर्माता इस पर क्या प्रतिक्रिया देंगे और क्या यश, जो सह-निर्माता हैं, टीम की मदद करेंगे।

# पैपराजी से परेशान हुई प्रीति जिंटा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा (49) को लेकर फैंस में खासा क्रेज देखने को मिलता है। लोग आज भी उनकी खूबसूरती के दीवाने हैं। फिलहाल प्रीति फिल्मी दुनिया में कम ही एक्टिव नजर आती हैं। हालांकि वह इन दिनों आईपीएल-17 में मैच के दौरान अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम में पहुंचती हैं। तब तमाम कैमरे बार-बार उनकी झलक दिखाते रहते हैं। प्रीति हाल ही में पैपराजी के कैमरों से परेशान नजर आईं और भड़क गईं। वायरल हो रहे वीडियो में प्रीति स्लीवलेस टीशर्ट, ब्लू जीन्स के साथ स्लीपर्स पहने कैजुअल लुक में दिखीं। उनके हाथ में एक ब्लैक हैंडबैग और ब्लू जैकेट था। प्रीति को देखते ही पैपराजी उनके पीछे-पीछे भागने लगे और उनका नाम पुकारते हुए उन्हें पोज देने के लिए कहने लगे। इस पर प्रीति नाराज हो गईं और पैपराजी को डांट लगा दी। प्रीति ने पैप्स से कहा कि गाइज, आप लोग मुझे डरा रहे हो। हालांकि प्रीति के गुस्से के बावजूद पैपराजी उन्हें आवाज देकर पोज देने के लिए कहते रहे। आखिर में प्रीति कुछ क्षणों के लिए रुकीं और हल्की-सी स्माइल के साथ पोज भी दिया।

पैपराजी के ऐसे रवैये को देख फैंस सोशल मीडिया पर उनकी क्लास लगा रहे हैं। प्रीति के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'लाहौर 1947' से वापसी करने जा रही हैं। फिल्म में सनी देओल लीड एक्टर हैं। राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन और आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस तले बन रही फिल्म के अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है। प्रीति ने फिल्म 'दिल से' के साथ करिअर की शुरुआत की थी। प्रीति की शादी साल 2016 में अमेरिकी के फाइनेंस एनालिसिस्ट जीन गुडएनफ के साथ हुई है। वे साल 2021 में जुड़वा बच्चों जय और जिया के माता-पिता बने।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन हैं। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

## छाछ वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के मईलापुर में श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन स्थानक में एसएस जैन युवक संघ द्वारा पूरे चार महीने से जारी पानी का प्याऊ और राहगीरों को छाछ का वितरण किया गया। कार्यक्रम में संघ के मंत्री विमलचन्द खाबिया, कोषाध्यक्ष इंदरचन्द कंकालिया और युवक संघ के अध्यक्ष संजय सेठिया और मंत्री रितेश कंकलिया, दिलीप रांका, सिद्धार्थ रूणवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

## सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में रविवार को मां दुर्गा भक्त मंडल द्वारा सुन्दरकांड का पाठ किया गया। प्रत्येक रविवार को मंडल द्वारा जगह जगह पर नि:शुल्क सुन्दरकांड का पाठ किया जा रहा है। मंडल के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि 1359वां सुन्दरकांड पाठ है। बड़ी संख्या में मंडल के सदस्य और अनेक श्रद्धालु जुड़े।

# अभिनेता अल्लू अर्जुन के खिलाफ चुनाव संहिता उल्लंघन के आरोप में मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नंदयाला। आंध्र प्रदेश पुलिस ने विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के पहले प्रचार अभियान पर रोक लग जाने के बावजूद रैली में शामिल होकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में लोकप्रिय तेलुगू अभिनेता अल्लू अर्जुन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। नंदयाला जिले के पुलिस अधीक्षक के. रघुवीरा रेड्डी ने बताया कि अर्जुन शनिवार को नंदयाला विधानसभा क्षेत्र से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार एस रवि चंद्र किशोर रेड्डी के आवास पर कथित तौर पर एक रैली में आए थे।

रघुवीरा रेड्डी ने पीटीआई-भाषा' से कहा, हमने चुनाव प्रचार पर रोक की अवधि के दौरान रैली में आकर एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) का उल्लंघन करने के आरोप में अल्लू अर्जुन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि 300 से अधिक प्रशंसक मोटरसाइकिल के जरिए आए थे। उन्होंने बताया कि शनिवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया। 'पुष्पा' फिल्म के अभिनेता और वाईएसआरसीपी उम्मीदवार ने छज्जे पर खड़े होकर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों की भीड़ की ओर हाथ हिलाया और उनका अभिवादन किया। अभिनेता ने किशोर रेड्डी के समर्थन में 'एक्स' पर एक संदेश भी लिखा।

अर्जुन ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए नंदयाल के लोगों का आभारी हूं। इस आतिथ्य के लिए सिल्पा रवि रेड्डी (वाईएसआरसीपी उम्मीदवार) गारू का धन्यवाद्। आपको चुनावों और उसके बाद के लिए शुभकामनाएं। मेरा अटूट प्रेम एवं समर्थन आपके साथ है। रघुवीरा रेड्डी ने कहा कि मामले में आगे की जांच की जाएगी।

दिलचस्प बात यह है कि आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में स्थित पलाकोल्लू शहर अर्जुन का पैतृक स्थान है और अर्जुन जनसेना के संस्थापक एवं अभिनेता-नेता पवन कल्याण के करीबी रिश्तेदार हैं। जनसेना, तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सहयोगी हैं, वे चुनाव में वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी से मुकाबला कर रहे हैं। राज्य में 13 मई को मतदान होना है।

# सुमात्रा द्वीप में अचानक बाढ़ आने से 37 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पडांग/एपी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर भारी बारिश और ज्वालामुखी की ढलानों से बहते कीचड़ के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग लापता हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि मॉनसून की बारिश और माउंट

मारापी की ठंडे लावे वाली ढलानों से कीचड़ के प्रवाह से हुए भूस्खलन के कारण शनिवार मध्यरात्रि को एक नदी में उफान के कारण पश्चिम सुमात्रा प्रांत के चार जिलों के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि कई लोग बाढ़ में बह गए और 100 से अधिक घर और इमारतें जलमग्न हो गईं।

ठंडा लावा, ज्वालामुखीय सामग्री और मलबे का मिश्रण है जो बारिश में ज्वालामुखी की ढलानों से बहता है।

राष्ट्रीय तलाश एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में कहा कि रविवार दोपहर तक बचावकर्मियों ने अगम जिले के सबसे अधिक प्रभावित कैंडुआंग गांव में 19 शव बरामद किये और पड़ोसी जिले तनाह दातर में नौ अन्य शव बरामद किए गए हैं। एजेंसी ने कहा कि पडांग में आई भीषण बाढ़ के कारण आठ लोगों की मौत हो गई।

# हर घर दादा गुरुदेव इक्कतीसा पाठ सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा हर घर इक्कतीसा पाठ का आयोजन विजयलक्ष्मी कोठारी के वर्षीतप की तपस्या के पारणा निमित्त अरविन्दकुमार भरतकुमार कोठारी के निवास स्थान पर रखा गया। मंडल के अध्यक्ष और लाभार्थी अरविन्द कोठारी ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत किया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि कार्यक्रम में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सनी रांका, नितेश बोहरा, यतीन्द्र भडकतिया, पारस पारख के साथ महेन्द्र बागरेचा, दीपक सेठ, पुनीत हीरावत आदि कलाकारों के साथ श्री जिनकुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल के रेखा लोढ़ा, ललिता पालरेचा, मीना भन्साली ने अलग अलग राग रागिनियों में गुरुदेव इकतीसा का पाठ किया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, निर्भयलाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, मोतीलाल ललवानी, मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष रमेश गुलेच्छा आदि सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में कोठारी परिवार ने धन्यवाद दिया।

# वीवीपुरम जैन कॉलेज ज्ञानशाला में बच्चों में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में रविवार को वासवी टेंपल रोड स्थित वीवीपुरम जैन कॉलेज में जैन धार्मिक बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने उपस्थित रहकर जैनत्व, इतिहास के साथ संस्कार निर्माण की शिक्षा प्राप्त की। इस अवसर पर पूर्व में आयोजित परीक्षा में भाग लेने वाले ज्ञानशाला के बच्चों को कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा जनवरी माह में रखी गई परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को संघ द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने पर सभी बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर बड़ों के साथ युवा मंडल के अध्यक्ष प्रदीप धोका, युवा मंत्री गौरव लुंकड़, अनिल ओस्तवाल के साथ सभी युवा मंडल के साथियों ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। अध्यापन व्यवस्था में संजय ु मार कचोलिया, प्रेमचंद्र चंद्रावत, अलका कोचेटा, संजना मरलेचा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

# मुख्यमंत्री योगी ने काल भैरव व काशी विश्वनाथ मंदिर में लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी। उत्तर प्र के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आशीर्वाद लिया। एक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कारविवार को काशी मित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए थे। इसके बाद नेताओं ने को अंतिम रूप देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को बूथ जीतने का भी मंत्र दिया था।

आधिकारिक बयान में रविवार को कहा गया, मान्यता है कि रविवार के दिन काशी कोतवाल काल भैरव के दर्शन से विशेष फ ल मिलता है। इसलिए काशी से चुनाव प्रचार के लिए कई जनपदों , जाने से पहले योगी आदित्यनाथ ने दिन की शुरुआत काल भैरव मंदिर में दर्शन से की।मुख्यमंत्री ने दोनों स्थानों पर विधि-विधान से पूजन-आरती कर समृद्ध उत्तर प्रदेश के साथ-साथ भाजपा की जीत का भी आशीर्वाद मांगा।

## आर्थिक स्थिरता के लिए निजीकरण जरूरी : पाकिस्तान

लाहौर। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने रविवार को कहा कि देश में आर्थिक स्थिरता लाने के लिए निजीकरण जरूरी है। गौरतलब है कि पाकिस्तान इस समय नया राहत पैकेज पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ बातचीत की तैयारी कर रहा है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार औरंगजेब ने यहां बजट पूर्व सम्मेलन 2024-25 में कहा कि अगर आप देश में आर्थिक स्थिरता चाहते हैं, तो आपको निजीकरण की ओर बढ़ना होगा।

# एटीडीसी श्रीरामपुरम में नवीन उरेसिस एनालाइजर मशीन का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में नवीन उरेसिस एनालाइजर मशीन का अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में जैन संस्कार विधि से हुआ। संस्कारक रनीत कोठारी, सतीश पोरवाड़ एवं राजेश देरासरिया ने जैन संस्कार विधि करवाई।

मशीनरी का उद्घाटन प्रायोजक परिवार प्रकाशचंद विकासकुमार बोल्या परिवार ने किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत किया। रमेश डागा ने कहा कि तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित एटीडीसी-श्रीरामपुरम सक्रिय सेन्टर हैं, परिषद हर क्षेत्र में अपने कार्य संपादित कर रही है। अभातेयुप परामर्शक विमल कटारिया ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोकरना, एटीडीसी राष्ट्रीय सह-प्रभारी आलोक छाजेड़, नवरतन दक, सीपीस राष्ट्रीय सहप्रभारी सोनू डागा, तेयुप अध्यक्ष रजत बैद, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष राकेश पोकरना, तेयुप राजराजेश्वरीनगर से विक्रम मेहर, एटीडीसी संयोजक नरेश बांठिया, एटीडीसी संयोजक गौतम खाब्या आदि उपस्थित थे।

## रथोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के हम्पीनगर स्थित गायत्री माता व विश्वकर्मा मंदिर का रथोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में कन्नड़ ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. चन्द्रशेखर कम्बार व मारुति मेडिकल के महेंद्र मुणोत उपस्थित थे।

## परशुराम जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक ने सुदामानगर स्थित संघ कार्यालय पर भगवान परशुराम जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, सचिव अनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेशचंद उपाध्याय के साथ राधेश्याम शर्मा, रोहित शर्मा, अरुण शर्मा, विजय शर्मा, संदीप नाथोलिया, उपाध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्यों ने उपस्थित होकर पूजा की।

# चुनाव में 50 फीसद से ज्यादा वोट हासिल करने पर ही असरदार बन सकता है नोटा : पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मौजूदा हालात में ''नोटा'' को प्रतीकात्मक करार देते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने कहा है कि किसी सीट पर ''नोटा'' को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिलने के बाद ही मतदान के इस विकल्प को चुनाव परिणाम पर कानूनी रूप से असरदार बनाने के बारे में सोचा जा सकता है।

इंदौर लोकसभा सीट पर 13 मई (सोमवार) को होने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा मतदाताओं से ''नोटा'' (उपरोक्त में से कोई नहीं) को वोट देने की अपील के बाद मतदान के इस विकल्प को लेकर फिर बहस शुरू हो गई है।

कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस ले लिया और वह इसके तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ में नहीं है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रावत ने रविवार को ''पीटीआई-भाषा'' से कहा,''वर्तमान स्थिति में नोटा एक प्रतीक की तरह है और यह किसी सीट के चुनाव परिणाम पर कोई भी असर नहीं डाल सकता।'' उन्होंने इसे विस्तार से समझाते हुए कहा,'' अभी अगर किसी चुनाव में 100 में 99 वोट नोटा को मिल जाएं और किसी अन्य उम्मीदवार को महज एक वोट मिल जाए, तब भी नोटा नहीं, बल्कि यह उम्मीदवार ही विजेता घोषित किया जाएगा।''

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा,''एक बार मतदाताओं को किसी सीट पर नोटा को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट देकर राजनीतिक जमात को दिखाना पड़ेगा कि वे आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों या अन्य अप्रिय प्रत्याशियों को अपने मत के लायक नहीं समझते हैं। इसके बाद ही संसद व चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ेगा और उन्हें सोचना पड़ेगा कि नोटा को चुनाव परिणाम पर प्रभावकारी बनाने के लिए कानूनों में बदलाव किया जाए।''

उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद नोटा के बटन को सितंबर 2013 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में शामिल किया गया था। इसे दलों की ओर से दागी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने से हतोत्साहित करने के लिए मतदान के विकल्पों में जोड़ा गया था।

गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के प्रमुख अनिल वर्मा ने बताया कि 2014 और 2019 के पिछले दो लोकसभा चुनावों में ''नोटा'' को औसतन दो प्रतिशत से कम वोट ही मिले हैं। उन्होंने कहा,''नोटा के विकल्प को अगले स्तर पर पहुंचाने के लिए इसे कानूनी तौर पर ताकतवर बनाया जाना चाहिए।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.